● वर्ष : 17 ● अंक : 179 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 19 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, माफी मांगता हूं: पीएम मोदी

स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी को उठाना पड़ा : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला आरक्षण बिल पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण पास नहीं करा पाए, इसके लिए सभी महिलाओं से माफी मांगता हूं। पीएम ने कहा कि मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है। कांग्रेस, डीएमके, सपा जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी को उठाना पड़ा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, सपा जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी को उठाना पड़ा। देश की करोड़ों नारी की नजर संसद में थी। देश की नारी देख रही थी। मुझे भी देखकर दुख हुआ नारी हित का प्रस्ताव गिरा। उस समय कांग्रेस, डीएमके, टीमएसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं।

विपक्ष को पाप की सजा जरूर मिलेगी : पीएम ने कहा कि जिन दलों ने बिल का विरोध किया, उनसे मैं दो टूक कहूंगा कि ये लोग नारी शक्ति को हल्के में ले रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि 21वीं सदी की नारी सब पर नजर रख रही है। वो उनकी मंशा देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा- महिला आरक्षण को रोककर जो पाप विपक्ष ने किया है, इसकी उन्हें सजा जरूर मिलेगी। इन दलों ने संविधान निर्माताओं की भावनाओं का अपमान किया है। जनता की सजा से वे बच नहीं पाएंगे। सदन में यह कानून किसे से कुछ छीन नहीं रहा था। कुछ न कुछ देने का था। पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष महिलाओं से उनका अधिकार छीनकर मेज थपथपा रहा था। उन्होंने जो किया वह टेबल पर सिर्फ थाप नहीं थी वो नारी के स्वाभिमान पर चोट थी। नारी सब भूल जाती है मगर अपमान नहीं भूलती। मोदी ने कहा कि संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक नारी के मन में रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो याद करेगी कि इन्होंने ही महिला आरक्षण रोकने का जश्न मनाया था।

कोयंबटूर रैली में प्रधानमंत्री मोदी का डीएमके-कांग्रेस पर निशाना, बोले- महिला आरक्षण का विरोध किया, एनडीए जारी रखेगा संघर्ष

कोयंबटूर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए डीएमके और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि भाजपा-एनडीए जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह हमारी लड़ाई का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। भाजपा और एनडीए आपके अधिकारों के लिए लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने संसद में पारित 'नारी शक्ति अधिनियम' का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है और सभी राजनीतिक दलों से इसका समर्थन करने की अपील की है। मोदी ने आरोप लगाया कि डीएमके, कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने इस विधेयक का विरोध किया, जिससे महिलाओं को पहले ही अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2011 की जनगणना के आधार पर तमिलनाडु को अतिरिक्त सीटें मिल सकती थीं, लेकिन डीएमके ऐसा नहीं चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि काले कपड़े पहनकर डीएमके अपनी "गलत मंशा" नहीं छिपा सकती और जनता सब जानती है। उन्होंने डीएमके पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी "परिवार द्वारा, परिवार के लिए और परिवार की" नीति पर चलती है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और दिल्ली में पार्टी के प्रमुख नेता एक ही परिवार से हैं। मोदी ने राज्य में कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए और कहा कि डीएमके का महिला विरोधी रवैया अब जनता के सामने है और इसका जवाब मिलेगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

महिला आरक्षण संशोधन बिल में अपने ही बिछाए जाल में फंसी सरकार?

महिला आरक्षण को लेकर हालिया राजनीतिक घटनाक्रम ने भारतीय लोकतंत्र के कई अहम सवालों को केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया है। 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के नाम से पहचान मिली। इस बिल को लागू करने में सरकार ने सुनयोजित रूप से देरी की। संसद से बिल पास होने के बाद सरकार ने अधिसूचना तक जारी नहीं की थी। बिल में प्रावधान था की जनगणना और परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा। पिछले 3 साल में सरकार ने इसका कोई प्रयास नहीं किया। पांच राज्यों के जब चुनाव चल रहे, तब अचानक महिला आरक्षण बिल की आड़ में परिसीमन के अधिकार सरकार अपने हाथ में लेना चाह रही थी। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। सरकार ने विपक्ष को महिला बिल की आड़ में भ्रमित करने का प्रयास किया था। विपक्ष इसको समझ गया।

पिछले 12 साल में पहली बार विपक्ष एकजुट हुआ। सरकार द्वारा अचानक संशोधन बिल लाकर उसे पास कराने की कोशिश की। सरकार को ओवर कॉन्फिडेंस था। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभी मतदान होना शेष हैं, ऐसे समय विपक्ष चाह कर भी इसका विरोध नहीं कर पाएगा। सरकार की यह मंशा पूरी नहीं हुई, उल्टा सरकार बुरी तरह से घिर गई है। लोकसभा में आवश्यक बहुमत के अभाव में बिल का अटक जाना, सरकार की रणनीति और भविष्य की राजनीति को लेकर सरकार ने बहुत बड़ा जोखिम उठा लिया है। सरकार ने 2023 मे जब इस विधेयक को पारित कराया था, उसमें प्रावधान था। आरक्षण लागू करने के पूर्व जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाएगा।

पिछले तीन वर्षों में सरकार ने जनगणना का काम शुरू नहीं किया। जब तक जनगणना नहीं होगी तब तक परिसीमन को लेकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकती है। जब मूल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हुई, तब उसमें संशोधन लाना ही नियमानुसार नही था। यह स्वाभाविक था, विपक्ष इस पर आपत्ति दर्ज कराए। सरकार क्या स्वयं चाहती थी कि महिला आरक्षण लागू नहीं किया जाए। इसका मुख्य कारण विपक्षी दलों द्वारा जातिगत जनगणना की मांग कर जाति के आधार पर महिला आरक्षण की मांग करना। संसद में हुई बहस ने एक महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है, वो यह कि विपक्ष महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है। विपक्ष आरक्षण की शर्तों और प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष की मांग थी, सरकार वर्तमान सांसदों की संख्या के आधार पर ही महिला आरक्षण लागू करे। विपक्ष महिला आरक्षण अनिश्चित काल तक टालने का शुरू से ही विरोध करता रहा है। इसके विपरीत सरकार परिसीमन को अनिवार्य शर्त बनाकर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री समेत नेताओं ने गुरु अंगद देव के प्रकाश पर्व पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सिख धर्म के द्वितीय गुरु अंगद देव के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में गुरु अंगद देव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से मानवता, सेवा और अनुशासन की महान सिख परंपरा को आगे बढ़ाया। उनके आदर्श सदैव समाज को सही दिशा में प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुरु अंगद देव ने सेवा, भक्ति और समाज सुधार को अपने जीवन का आधार बनाया। गुरुमुखी लिपि के विकास और लंगर परंपरा को सुदृढ़ कर उन्होंने समानता और एकता का संदेश दिया। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरु साहिब को नमन करते हुए उनके योगदान को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संदेश में लिखा कि धर्म, अध्यात्म और सृजन की त्रिवेणी, सेवा, दया और करुणा के सागर, सिखों के द्वितीय गुरु, गुरु अंगद देव महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उनके चरणों में नमन करता हूं। ओजस्वी वाणी से निकले अमृत वचनों से उपजे प्रकाश से सर्वदा जगत का कल्याण होता रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चंबल में अवैध रेत खनन को लेकर मध्य प्रदेश सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल सेंक्चुअरी में अवैध रेत खनन को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के रुख पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि राज्य अपनी लाचारी या कमियों का हवाला देकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। कोर्ट ने इसे चौंकाने वाला और चिंताजनक बताया कि राज्य ने नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में कहा कि उसके वन अधिकारी रेत माफिया के मुकाबले के लिए पर्याप्त हथियारों से लैस नहीं है, जबकि माफिया के पास आधुनिक हथियार और वाहन हैं। कोर्ट ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों से अवैध खनन वाले मार्गों पर हाई-रिजॉल्यूशन वाई-फाई सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 11 मई को होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि इस तरह की दलील न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि राज्य अवैध गतिविधियों को रोकने के प्रति गंभीर नहीं है। कोर्ट ने साफ किया कि ऐसी कमियां सीधे तौर पर गैरकानूनी खनन, हिंसा, मानव जीवन के नुकसान और दुर्लभ वन्यजीवों के आवास के विनाश को बढ़ावा देती हैं।

देश ने विपक्ष का असली चेहरा देख लिया, जिसने महिलाओं को वैध अधिकारों से वंचित कर दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

जयशंकर ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में गिर जाने पर विपक्ष को घेरा

विदेश मंत्री और राज्यसभा सांसद एस जयशंकर ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में गिर जाने के बाद विपक्ष को घेरा। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश ने इन दलों का असली चेहरा देख लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले संविधान संशोधन को रोककर विपक्ष ने महिलाओं के वैध अधिकारों से उन्हें वंचित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने कहा कि आज देश की महिलाएं और पूरा राष्ट्र इस घटनाक्रम को देख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 'नारी शक्ति' का जो अपमान हुआ है, उसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। लोकसभा में संविधान विधेयक, 2026 के जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो सका। शुक्रवार को हुए मतदान में 528 सदस्यों में से 298 ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विरोध में मतदान किया, लेकिन यह दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो सका और सरकार को करीब 54 वोटों की कमी रह गई। शुक्रवार को संसद में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में तय किया गया कि एनडीए के घटक दल संसद में विपक्ष के महिला सशक्तिकरण के विरोध के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे।

कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल महिला अधिकारों के खिलाफः भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संविधान संशोधन विधेयक के संसद में पारित नहीं हो पाने के लिए शनिवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। परिसीमन को सीटों के पुनर्निर्धारण का अभिन्न अंग बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान 543 सीटों पर ही महिला आरक्षण देने से दक्षिण के राज्यों की सीटें घट जाएंगी। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जहां महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचलने का 'जश्न' मनाया, जबकि भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस और उसकी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को "इस्तेमाल" की वस्तु बताने वाली भाषा अस्वीकार्य है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं कोई वस्तु नहीं हैं, बल्कि उन्हें सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। प्रसाद ने महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर भी कांग्रेस के दावों को खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 81(2) के अनुसार लोकसभा सीटों का आवंटन जनसंख्या के आधार पर होता है और बिना परिसीमन के सीटों का पुनर्निर्धारण संभव नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 850 की जा सकती है, जिससे 33 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी ढंग से लागू हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया आवश्यक है। कांग्रेस 543 सीटों के भीतर ही आरक्षण लागू करने की बात कर रही है। इससे दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है। प्रसाद ने आरोप लगाया कि द्रमुक महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों को बाधित कर रही है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राज्य इस भ्रामक प्रचार से प्रभावित हो रहे हैं। इससे पहले भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर महिलाओं के अधिकारों को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल सत्ता का नहीं, बल्कि समानता के अधिकार का संघर्ष है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संसद में महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं को कुचलने का 'जश्न' मनाया, जबकि भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। ईरानी ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग को गंभीरता से लेने के बजाय उसका उपहास करते नजर आए।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को मार्च 2028 तक बढ़ाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III (पीएमजीएसवाई-III) को मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इसके तहत ग्रामीण कृषि बाजारों, उच्च माध्यमिक विद्यालयों और अस्पतालों से जुड़ने वाले प्रमुख मार्गों और ग्रामीण संपर्क सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। योजना का संशोधित व्यय 83,977 करोड़ रुपये तय किया गया है। कैबिनेट ने निर्णय लिया कि मैदानी क्षेत्रों में सड़कों और पुलों तथा पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण मार्च 2028 तक पूरा किया जाएगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में पुलों का निर्माण मार्च 2029 तक किया जाएगा। 31 मार्च 2025 से पहले स्वीकृत लेकिन अभी तक टेंडर या अवार्ड न किए गए कार्यों को आगे लिया जा सकेगा। लंबी दूरी के 161 पुल, जिनकी अनुमानित लागत 961 करोड़ रुपये है और जो पहले से स्वीकृत सड़कों के संरेखण पर लंबित हैं, उन्हें भी मंजूरी दी जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि कि पीएमजीएसवाई-III की समयसीमा बढ़ाने से ग्रामीण सड़कों के लक्षित उन्नयन का पूरा लाभ मिल सकेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और व्यापार को मजबूती मिलेगी, कृषि और गैर-कृषि उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच आसान होगी, परिवहन समय और लागत घटेगी और ग्रामीण आय में सुधार होगा।

संसद के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, इस सत्र में कुल 31 बैठकें हुई

सदन की कार्यवाही 151 घंटे 42 मिनट तक चली, कार्य उत्पादकता 93 फीसदी रही

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके साथ ही संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया, जो इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को बताया कि इस सत्र में कुल 31 बैठकें हुईं और सदन की कार्यवाही 151 घंटे 42 मिनट तक चली। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कार्य उत्पादकता 93 फीसदी रहा। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य दलों के प्रमुख नेता सदन में मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले यह सत्र दो अप्रैल को संपन्न होना था, लेकिन महिला आरक्षण से संबंधित 'संविधान संशोधन विधेयक 2026' विधेयक और इससे संबंधित दो अन्य विधेयकों पर चर्चा करने और इन्हें पारित कराने के मकसद से सत्र को बढ़ा दिया गया और 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन की विशेष बैठक बुलाई गई थी। यह संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया। विधेयक पर हुए मत विभाजन में इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। विधेयक पर मत विभाजन में 528 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

भारत ने अरब सागर में तैनात किया आईएनएस ध्रुव, पाक को सता रहा डर

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले कुछ घंटों से पूरे पाकिस्तान में खौफ का माहौल है। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि उस पर कभी भी बड़ा हमला हो सकता है। भारत से पाकिस्तान इतना डरता है कि वो अब अपनी बौखलाहट को पूरी दुनिया के सामने दिखा रहा है। अब पाकिस्तान ने एक बेहद ही स्ट्रेटेजिक पॉइंट पर नोटम जारी किया है। नोटम यानी नोटिस टू एयरमैन। बता दें पाकिस्तान ने मिसाइल टेस्टिंग को लेकर नोटम जारी किया जिसमें 20 से 21 अप्रैल तक अरब सागर के एक हिस्से को नो फ्लाई ज़ोन घोषित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही पाकिस्तान ने अपना यह कदम उठाया, भारत ने भी तुरंत जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान से दोगुना दायरे में नोटम जारी कर दिया है यानी पाकिस्तान को बिल्कुल भी मौका नहीं दिया। जहां पाकिस्तान का एरिया करीब 200 किमी था, वहीं भारत ने करीब 400 किमी का एरिया कवर कर लिया है यानी यह साफ संदेश दे दिया है पाकिस्तान को भारत सिर्फ जवाब नहीं देता। डबल ताकत से धमाका कर देता है। बता दें नोटम यानी कि नोटिस टू एयरमैन। यह एक आधिकारिक सूचना होती है जो पायलट्स, एयर ट्रैफिक कंट्रोल या फिर एयरलाइंस को दी जाती है कि किस इलाके में उड़ान भरना मना है।

सरकार के लिए 'किसान हित सर्वोपरि' : शिवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सरकार के लिए 'किसान हित सर्वोपरि' है और किसी भी प्रतिकूल मौसम परिस्थिति, विशेषकर अल नीनो के प्रभाव से निपटने के लिए केंद्र पूरी तरह तैयार है। शिवराज चौहान ने आज दिल्ली में कृषि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की एक उच्चस्तरीय वर्चुअली समीक्षा के दौरान यह बात कही। मंत्री ने कहा, मौसम संबंधी पूर्वानुमान को गंभीरता से लेते हुए सरकार पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है और किसानों को किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास से संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। वर्ष 2000-2016 के बीच अल नीनो का असर ज्यादा होता था लेकिन आज की उन्नत तकनीक, सूक्ष्म सिंचाई और बेहतर प्रबंधन के कारण हम कृषि उत्पादन में स्थिरता बनाए रखने में सक्षम हैं।" उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य केवल संभावित जोखिम का आकलन करना नहीं बल्कि समय रहते ऐसे सभी कदम उठाना है जिससे किसानों का आत्मविश्वास बना रहे, खेती की निरंतरता प्रभावित न हो और खरीफ सत्र सुचारु रूप से आगे बढ़े। मंत्री ने भरोसा जताया कि बेहतर जल प्रबंधन, तकनीकी विकास, उन्नत कृषि पद्धतियों और समय पर की गई तैयारियों के बल पर संभावित चुनौतियों का प्रभाव कम किया जा सकेगा और किसानों के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कुछ कम (92 प्रतिशत) रहने की संभावना है। इस स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री ने अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए। जैसे जल प्रबंधनः देश के जलाशयों में वर्तमान जलस्तर सामान्य से 127 प्रतिशत बेहतर है, जो खरीफ की सिंचाई के लिए राहत की बात है। बीज उपलब्धताः मुख्य और वैकल्पिक फसलों के बीजों की उपलब्धता आवश्यकता से अधिक सुनिश्चित की गई है। इसके लिए राष्ट्रीय बीज रिजर्व भी तैयार है। आकस्मिक योजनाः जिला स्तर पर ऐसी योजनाएं सक्रिय की गई हैं जो मानसून में देरी या सूखे की स्थिति में किसानों को 'जलवायु-सहनशील' किस्मों और वैज्ञानिक सलाह से मदद करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के मामले में तीन आरोपितों को पकड़ा

लोकतंत्र की शान : हैदराबाद। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 'डिजिटल अरेस्ट' कर की गयी एक साइबर ठगी के मामले में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पांच स्थानों पर छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। सीबीआई के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में इंडसइंड बैंक के तत्कालीन असिस्टेंट मैनेजर दुब्बाका महेश, राजेश कन्ना और वायाला श्रीनिवास हैं। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हिस्सा है जिसमें एक वरिष्ठ नागरिक को डिजिटल अरेस्ट कर 1.6 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि ठगी की रकम को एक फर्जी कंपनी के नाम पर खोले गए बैंक खाते में डाला गया था, ताकि साइबर अपराध से अर्जित धन को आसानी से इधर-उधर किया जा सके। गिरफ्तार बैंक अधिकारी पर आरोप है कि उसने इस फर्जी खाते को खुलवाने में अहम भूमिका निभाई। अन्य दो आरोपित कथित तौर पर 'म्यूल अकाउंट्स' (फर्जी खातों) की व्यवस्था करने और विभिन्न खातों के जरिए पैसे को घुमाने में शामिल थे। सीबीआई ने बताया कि आरोपितों के ठिकानों से छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

दिल्ली के महिपालपुर में डाक अधीक्षक 10 हजार की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को दिल्ली के महिपालपुर में डाक विभाग के स्वचालित डाक प्रसंस्करण केंद्र (एएमपीसी) के अधीक्षक देशराज मीना को 10 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सीबीआई ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं से शाखा स्थानांतरण रोकने और अवकाश स्वीकृत करने के लिए 20 हजार रुपये की मांग की थी। सीबीआई ने 17 अप्रैल को मामला दर्ज किया, जिमसें आरोप लगाया था आरोपी अधीक्षक ने शिकायतकर्ता का ट्रांसफर रोकने और छुट्टी मंजूर करने के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपी ने कुल 20 हजार रुपये में से 10 हजार रुपये बतौर पहली किस्त स्वीकार करने पर सहमति जताई। सीबीआई ने इसके बाद उसी दिन जाल बिछाया और शिकायतकर्ता को कुल रकम की पहली किस्त देने के लिए भेजा। इसके बाद सीबीआई ने आरोपी को रंगे हाथों 10 हजार रुपये लेते हुए पकड़ लिया। एजेंसी ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

राज्यसभा सचिवालय में के एस सोमशेखर सचिव नियुक्त

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने डॉ. के एस सोमशेखर को राज्यसभा सचिवालय में सचिव पद पर नियुक्त किया है। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार उनकी यह नियुक्ति आज से प्रभावी हो गयी। डॉ. सोमशेखर वर्ष 1993 में राज्यसभा सचिवालय से जुड़े थे और तब से अब तक उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव और निदेशक जैसे अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें संसदीय कार्यप्रणाली, प्रशासन और समिति संबंधी कार्यों का व्यापक अनुभव है। इसके अलावा उन्होंने कर्नाटक सरकार में भी वरिष्ठ पदों पर कार्य किया और अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ में संसदीय प्रक्रियाओं का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा जिनेवा में इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन (आईपीयू) की बैठकों में भी भाग लिया है। डॉ. सोमशेखर साहित्य में पीएच.डी. हैं और कन्नड़, हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगु तथा तमिल भाषाओं में प्रवीण हैं। उनकी प्रशासनिक और शैक्षणिक विशेषज्ञता से राज्यसभा सचिवालय को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

विद्या भारती दिल्ली प्रांत ने कक्षा 10 सीबीएसई बोर्ड में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान दिल्ली प्रांत ने सत्र 2025–26 के कक्षा 10 केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) परीक्षा परिणामों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। प्रांत के महामंत्री डॉ. सतीश माहेश्वरी ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष प्रांत के बिना सरकारी सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों का कुल परिणाम 98.99 प्रतिशत रहा। प्रांत के बिना सरकारी सहायता प्राप्त 12 विद्यालयों के कुल 986 विद्यार्थियों में से 78 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 60 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रांत महामंत्री ने स्थानवार परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि पंजाबी बाग, राजौरी गार्डन एवं लाजपत नगर क्षेत्रों के विद्यालयों ने 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया। इसके अतिरिक्त नेहरू नगर, हरि नगर, वसंत विहार, महरौली, सुल्तानपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार एवं गांधी नगर स्थित विद्यालयों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि सरकारी सहायता प्राप्त चार विद्यालयों का समग्र परिणाम 93.40 प्रतिशत रहा। इन विद्यालयों के कुल 515 विद्यार्थियों में से 141 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि छह विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सराहनीय सफलता अर्जित की।

महिला अधिकारों की विरोधी हैं विपक्षी पार्टियांः रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को महिलाओं को अधिकार दिलाने का विरोधी बताया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के हिंदी भवन में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन शामिल हुईं। उन्होंने यहां चार सौ ज्यादा महिला उद्यमियों के साथ काला पट्टा बांधकर विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बेटियों को

राष्ट्र निर्माण में सहभागिता दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्तुत किया, लेकिन अफसोस कुछ दलों ने इस ऐतिहासिक अवसर को भी संकीर्ण राजनीति की नजर से देखा और महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने में कोई संकोच नहीं किया। संसद में जिन दलों ने महिला आरक्षण का विरोध किया, उनकी दलीलों के पीछे कोई ठोस आधार नहीं था, केवल महिला विरोधी मानसिकता स्पष्ट दिखाई दी। जिन नेताओं ने महिला आरक्षण का विरोध किया है, उनके क्षेत्र में हमारी बहनें और बेटियां उनसे जवाब मांगेंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब देश बदल चुका है, नारी शक्ति प्रतीक्षा नहीं करेगी, अपना अधिकार लेकर रहेगी। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि कैट के दो दिवसीय सम्मेलन में चार सौ महिला उद्यमियों ने मुख्यमंक्षी के साथ काले पट्टे बांधकर कांग्रेस का जोरदार विरोध किया। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल रोकने वाली कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया, वो नारी शक्ति की सबसे बड़ी दुश्मन है। देश की बेटियां अब चुप नहीं रहेंगी और कांग्रेस की नारी-विरोधी साजिश बेनकाब हो चुकी है।

कांग्रेस नेता डॉ. जया शुक्ला ने बताया 'रुदाली कार्यक्रम'

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : कांग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जया शुक्ला ने प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आज रात प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को "रुदाली कार्यक्रम" करार दिया। डॉ. शुक्ला ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी को पहले से अंदाजा था कि महिला आरक्षण बिल संसद में पास नहीं होगा। इसी वजह से बिल के पास न होने के तुरंत बाद भाजपा की महिला सांसदों द्वारा संसद परिसर में प्लेकार्ड के साथ प्रदर्शन करना पहले से तय रणनीति का हिस्सा था।

उन्होंने कहा कि सरकार "करना कुछ और, दिखाना कुछ और" की नीति पर काम कर रही है। उनके अनुसार, असल मुद्दा परिसीमन था, जबकि महिला आरक्षण को उसके "रैपर" के रूप में प्रस्तुत किया गया।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि महिला आरक्षण बिल पास हो सकता था, लेकिन इसे परिसीमन से जोड़ने के कारण यह संभव नहीं हो पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब इस मुद्दे को लेकर देशभर में "भावनात्मक कार्यक्रम" आयोजित किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत आज रात के "मन की बात" से होगी।

डॉ. शुक्ला ने सरकार पर काला धन, दो करोड़ रोजगार जैसे वादों को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि बार-बार नए सपने दिखाकर जनता को गुमराह किया जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रात 8:30 बजे दूरदर्शन पर "मन की बात" कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित करेंगे, जिस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने मेट्रो फेज-4 के कार्यों का किया औचक निरीक्षण, समय पर काम पूरा करने का दिया निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मेट्रो फेज-4 के अंतर्गत आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। साथ ही दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने परियोजना की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और समय-सीमा के पालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन को एक महत्वपूर्ण इंटरचेंज हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां वर्तमान में संचालित ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन के बीच कनेक्टिविटी स्थापित होगी। यह स्टेशन जनकपुरी

वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक विस्तारित 28.92 किलोमीटर लंबे लाइन-8 कॉरिडोर का एक प्रमुख केंद्र होगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि फेज-4 कॉरिडोर के अंतर्गत जनकपुरी वेस्ट से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक के हिस्से पहले ही यात्रियों के लिए खोले जा चुके हैं, जबकि शेष हिस्सों पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर पश्चिम, उत्तर और मध्य दिल्ली के घनी आबादी वाले आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव घटेगा और प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण कमी होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना का एक बड़ा हिस्सा बेहद जटिल कॉन्ट्रैक्ट पैकेज के अंतर्गत आता है, जिसमें लगभग 7 किलोमीटर लंबे ट्विन टनल और छह प्रमुख अंडरग्राउंड स्टेशनों जैसे डेरावल नगर, घंटाघर, पुलबंगश, सदर बाजार, नबी करीम और आरके आश्रम मार्ग का डिजाइन और निर्माण शामिल है। उन्होंने इस परियोजना में किए जा रहे इंजीनियरिंग कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सदर बाजार जैसे जटिल क्षेत्रों में भूमिगत स्टेशन का निर्माण, सब्जी मंडी रेलवे स्टेशन के पास सक्रिय रेलवे लाइन, रानी झांसी फ्लाईओवर और रेड लाइन मेट्रो कॉरिडोर के नीचे सफलतापूर्वक टनल बोरिंग जैसे कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कठिन भूगर्भीय परिस्थितियों जैसे कठोर चट्टानी परतें और जलभराव वाली मिट्टी के बीच अत्याधुनिक तकनीकों और कड़े सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें सतह पर ट्रैफिक या मौजूदा परिवहन सेवाओं को किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी गई। उन्होंने कहा कि आरके आश्रम मार्ग स्टेशन न केवल एक प्रमुख इंटरचेंज हब के रूप में कार्य करेगा, बल्कि भविष्य में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार का महत्वपूर्ण आधार भी बनेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय दिल्ली में भीड़भाड़ को कम करने और सेंट्रल विस्टा सहित प्रमुख प्रशासनिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मैजेंटा लाइन को आरके आश्रम मार्ग से इंद्रलोक तक विस्तारित किया जाएगा, जो इंद्रप्रस्थ स्टेशन के माध्यम से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विस्तार में 9.91 किलोमीटर का आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ खंड और 11.9 किलोमीटर का इंद्रप्रस्थ से इंद्रलोक खंड शामिल होगा। सभी चरणों के पूरा होने के बाद, बोटैनिकल गार्डन से इंद्रलोक तक मैजेंटा लाइन की कुल लंबाई लगभग 88.4 किलोमीटर हो जाएगी, जिसमें 65 स्टेशन शामिल होंगे। यह ड्राइवरलेस मैजेंटा लाइन को दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का सबसे लंबा कॉरिडोर बना देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो राजधानी की जीवनरेखा है, जिस पर प्रतिदिन लाखों यात्री निर्भर रहते हैं।

संविधान संशोधन विधेयक गिरने पर प्रियंका गांधी बोलीं- लोकतंत्र की जीत हुई, परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश नाकाम

'महिला आरक्षण के लिए पूरा विपक्ष तैयार, 2023 में सर्वसम्मति से पारित विधेयक तुरंत प्रभाव से लागू हो'

लोकतंत्र की शान संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा है कि संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने से परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश नाकाम हो गई है और यह लोकतंत्र एवं संविधान की जीत है। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष की एकजुटता ने संघीय ढांचे को बदलने की सरकार की साजिश को नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने-अपने भाषणों में कहा कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर सहमत नहीं होगा तो न कभी चुनाव जीत पाएगा, न ही सत्ता में आ पाएगा। इन बातों से ही साफ हो गया कि सरकार की

मंशा क्या थी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती थी। सरकार चाहती थी कि महिला आरक्षण के नाम पर विपक्ष इस बिल को पारित कर दे, ताकि उसे जाति के आंकड़ों के बिना मनमाने तरीके से परिसीमन का मौका मिल जाए। सरकार द्वारा जो साजिश रची गई, उसका उद्देश्य सत्ता हासिल करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा खुद को महिलाओं का मसीहा साबित करना चाहती थी। उसने सोचा था कि यदि बिल पारित नहीं हुआ तो विपक्ष को महिला विरोधी बता दिया जाएगा और पारित हो जाएगा तो परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ उठा लिया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार ने अचानक विधानसभा चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया और विधेयक का मसौदा आखिरी समय में सामने रखा, जिससे विपक्ष को पर्याप्त समय न मिले। भाजपा के आरोपों से संबंधित एक सवाल के जवाब में कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए पूरा विपक्ष तैयार है। उन्होंने मांग की कि यदि मोदी सरकार गंभीर है, तो 2023 में सर्वसम्मति से पारित विधेयक को तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों में से 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देने के लिए विपक्ष पूरी तरह तैयार है। एक प्रश्न के उत्तर में प्रियंका गांधी ने कहा कि हम सब यह बार-बार कह रहे हैं कि जैसे अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण है, वैसे ही ओबीसी महिलाओं के लिए भी उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण होना चाहिए।

ऑपरेशन साइबर-हॉक 4.0 : ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबर-हॉक 4.0' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन निवेश के नाम पर लोगों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल फोन और बैंक पासबुक बरामद की है। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने शनिवार को बताया कि एक पीड़ित ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसे ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर 1.46 लाख रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। आरोपित उसे टेलीग्राम के जरिए संपर्क में आए और 'गूगल होटल रेटिंग' जैसे छोटे-छोटे टास्क देकर शुरुआत में 125 रुपये का मुनाफा दिलाया, जिससे उसका भरोसा जीत लिया। इसके बाद पीड़ित को 'प्रीपेड टास्क' के नाम पर ज्यादा पैसे निवेश करने के लिए उकसाया गया। शुरुआत में 1000 रुपये निवेश करने पर 1300 रुपये वापस दिए गए, लेकिन फिर 3000, 20,000 और 30,000 रुपये के निवेश के बाद उसे निकासी के दौरान 'गलती' बताकर अकाउंट फ्रीज कर दिया गया। इसे अनफ्रीज करने के नाम पर उससे 50,000 और फिर 1 लाख रुपये की मांग की गई। आखिरकार जब उससे और 1.65 लाख रुपये मांगे गए, तब उसे ठगी का एहसास हुआ।पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की जांच के लिए एसआई अरविंद यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। तकनीकी जांच में व्हाट्सएप, गूगल डेटा, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और करीब 200 मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान संदिग्ध लोकेशन लुधियाना में ट्रेस हुई, जिसके बाद पुलिस टीम वहां रवाना हुई। चार दिन तक चले ऑपरेशन में कई किलोमीटर की दूरी तय कर पुलिस ने लुधियाना के तिब्बा रोड से आरोपित पुनीत शर्मा (43) को गिरफ्तार किया।

महिला आरक्षण बिल पर सियासत गरमाई, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र की मंशा पर उठाए सवाल

लोकतंत्र की शान, नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। इस बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा की रणनीति को विपक्ष की एकजुटता ने नाकाम कर दिया। शनिवार को नई दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने महिला आरक्षण को "मुखौटा" बनाकर गलत तरीके से परिसीमन कराने की कोशिश की। उनका आरोप है कि इस कदम के पीछे सरकार की मंशा राजनीतिक लाभ हासिल करने की थी, लेकिन विपक्षी दलों ने मिलकर इसे रोक दिया। रेड्डी ने कहा कि भाजपा की नीयत 2024 के आम चुनाव के दौरान ही स्पष्ट हो गई थी, जब पार्टी ने "400 पार" का नारा दिया था। उनके अनुसार, यह नारा संविधान में बदलाव करने की मंशा को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान बदलकर डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए आरक्षण प्रावधानों को समाप्त करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा अब विपक्ष पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सम्भल

पत्र संख्या:/528 जलकल वि0 /2026

दिनांक :- 17.04.2026

अति अल्पकालीन ई निविदा सूचना

15वां वि0आ0 के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित कार्य की ई निविदा दिनांक 04-05-2026 को 01:00 PM बजे तक ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा की शर्तों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर ले।

क्र0सं0	नगर पालिका/NPP STAGE	ठेकेदार / VENDOR STAGE	प्रारम्भ दिनांक व समय	अंतिम दिनांक व समय
1.	Tender Release		08-04-2026 5 PM	
2.		Tender Download	08-04-2026 5 PM	
3.		BID Submission	08-04-2026 5 PM	
4.	Close for BID			04-05-2026 1 PM
5.	BID Opening			04-05-2026 2 PM

वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग प्रपत्र ऑनलाइन देखे जा सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सम्भल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सम्भल

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक, रामपुर के निर्देशन में चाइनीज मांझे की चेकिंग हेतु रामपुर पुलिस द्वारा चलाया गया सघन अभियान

लोकतंत्र की शान ,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। पुलिस अधीक्षक, सोमेंद्र मीणा के निर्देशन में घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से चाइनीज मांझे की चेकिंग हेतु सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आमजन एवं दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि चाइनीज मांझे की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। चाइनीज मांझा अत्यंत खतरनाक होता है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों एवं राहगीरों के गले कटने जैसी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त यह विद्युत तारों में उलझकर विद्युत आपूर्ति बाधित कर सकता है तथा पक्षियों के लिए भी घातक सिद्ध होता है। अतः रामपुर पुलिस द्वारा सभी से अपील की गयी कि चाइनीज मांझे का प्रयोग न करें और सुरक्षित विकल्पों का ही उपयोग करें।

लेडी सिंघम डीसीपी नीतू कादयान जी को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मोमेंटो,बुके व अंगवस्त्र देकर किए सम्मानित

उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दी बधाई

लोकतंत्र की शान , स्टेट ब्यूरो अवनीत शर्मा/राधिका तिवारी, वाराणसी/ कमिश्नरेट पुलिस गोमती जोन नवागत DCP लेडी सिंघम नीतू कादयान जी के आने से व्यापारियों में खुशी की लहर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता के नेतृत्व में उनको अंगवस्त्र,मोमेंटो, बुके देकर सम्मानित किया गया जिसमें मौजूद व्यापार मंडल अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता जिला अध्यक्ष शुभम सिंह,फूलपुर व्यापार मंडल के पदाधिकारी राजकुमार गुप्ता 'राजू', विक्की गोंड तथा मंगारी व्यापार मंडल के अध्यक्ष पप्पू सिंह,प्रमोद पांडे,महिला युवा जिलाध्यक्ष राधिका तिवारी मिर्जामुराद वाराणसी,प्रदेश महामंत्री विरेंद्र गुप्ता,हाथी बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष शुभम ठाकुर, सिंधोरा बाजार व्यापार मंडल महामंत्री सुवास जायसवाल जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह पत्रकार अजय कुमार दुबे और 30 बाजारों के अध्यक्ष महामंत्री ने डीसीपी को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न, बुके भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में व्यापार से जुड़ी विभिन्न समस्याएं—जैसे सुरक्षा व्यवस्था,यातायात अव्यवस्था और बाजार क्षेत्र की व्यवस्थाओं को विस्तार से रखा। डीसीपी नीतू कादयान ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी व्यापार मंडलों के साथ एक संयुक्त बैठक उनके कार्यालय पर आयोजित की जाएगी। साथ ही थाना स्तर पर भी प्रत्येक माह नियमित बैठक कर व्यापारियों के हित में बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा,ताकि सुरक्षा और व्यवस्था दोनों सुदृढ़ रह सके। डीसीपी के इस आश्वासन से व्यापारियों में उम्मीद जगी है कि उनकी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान होगा।।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 23 मामलों का निस्तारण, 4 परिवारों में हुई सुलह

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल जैदी , संभल। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक का आयोजन पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में किया गया। बैठक के दौरान काउंसलरों द्वारा कुल 88 पत्रावलियों की गहन सुनवाई की गई, जिनमें से 23 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं आपसी विवादों को समाप्त कर 4 परिवारों को पुनः एकजुट कराया गया, जिससे परिवारों में खुशहाली का माहौल बना। इस अवसर पर काउंसलरों ने दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए आपसी संवाद और सहमति से समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। पुलिस प्रशासन द्वारा परिवारों को टूटने से बचाने और सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए इस प्रकार के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

12 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक, आग बुझाने की कोशिश में किसान झुलसा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर। शनिवार को बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। खेत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर नीचे गिर गया, जिसकी चिंगारी से कटी हुई गेहूं की फसल में भीषण आग लग गई। इस घटना में किसान राजपाल सिंह की करीब 12 बीघा फसल जलकर राख हो गई है। इस प्रयास में जितेंद्र गंभीर रूप से झुलस गया, जबकि ट्रैक्टर जल गया। घायल जितेंद्र को आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही सैदनगली थाना पुलिस मौके पर पहुँची, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय पर नहीं पहुँची। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर खुद ही पानी की व्यवस्था की और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक किसान की साल भर की मेहनत जलकर खाक हो चुकी थी। पीड़ित किसान राजपाल सिंह ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग ने 11 हजार की लाइन के नीचे सुरक्षा के लिए सपोर्ट वायर (गार्डिंग) नहीं लगाया था। यदि सुरक्षा जाल लगा होता, तो तार खेत में नहीं गिरता। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग के जेई नवीन कुमार ने मौके का मुआयना किया। विद्युत विभाग के जेई नवीन कुमार ने बताया कि बिजली विभाग पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है। विभाग द्वारा क्षति का आकलन कर मुआवजे की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी, ताकि किसान को हुए नुकसान की भरपाई की जा सके।

बारदाने के अभाव में चार दिन से तौल बंद, आक्रोशित किसानों ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सरकारी मंशा के विपरीत धरातल पर जिम्मेदारों के गैर जिम्मेदाराना रवैए के चलते किसानों का सब्र अब जवाब देने लगा है। जनपद के हसनपुर क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्रय केंद्रों पर पिछले चार दिनों से बारदाने की भारी किल्लत बनी हुई है। बारदाने न होने के कारण केंद्रों पर गेहूं की तौल पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे नाराज किसानों ने शनिवार को ग्राम नगलिया मुंशी में एकत्रित होकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।<प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि गेहूं की औसत पैदावार कम है,कार्यकेंद्रो पर तौल न होने के कारण किसान अपनी उपज को ओने पौने दामों पर बेचने को विवश हैं।किसान अपनी खून-पसीने की कमाई (गेहूं की फसल) लेकर पिछले कई दिनों से केंद्रों पर चक्कर लगा रहे हैं । कुछ किसानो ने अपनी उपज को वाहनों पर लाद रखा है। क्रय केंद्रों पर बारदाना बोरे आदि न होने के कारण तौल बंद है, । किसानों को डर है कि यदि अचानक मौसम बिगड़ता है या बारिश होती है, तो उनकी मेहनत की फसल बर्बाद हो जाएगी। साथ ही, खुले में रखी फसल की सुरक्षा को लेकर भी किसान रात-भर जागने को मजबूर हैं। प्रदर्शन के दौरान *राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की आय दोगुनी करना है, लेकिन विभागीय अधिकारी बुनियादी सुविधाएं जैसे 'बोरे' तक उपलब्ध नहीं करा पा रहे है। सहकारी संघ कुंदरकी भूड़ के सभापति करण सिंह ने चेतावनी दी कि यदि अगले 24 घंटों के भीतर तौल प्रक्रिया सुचारू नहीं की गई, तो क्षेत्र का किसान तहसील मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन करने को विवश होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से नरेंद्र सिंह, खड़क सिंह, होशियार सिंह, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, वीर पाल, रूपचंद सिंह, डालचंद, टेकचंद सिंह और विजेंद्र सिंह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

लखनऊ–अयोध्या रोड संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों ने बताया कि चिनहट थाने की पुलिस द्वारा लगातार उनका उत्पीड़न किया जा रहा है

लोक तंत्र की शान, स्टेट ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ/ राजधानी/ इस संबंध में व्यापारियों ने थाना प्रभारी चिनहट से मिलकर शिकायत भी की, लेकिन उनके अनुसार थाना स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। व्यापारियों का कहना है कि थाना प्रभारी की कथित मिलीभगत के कारण स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी पूर्वी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। डीसीपी द्वारा आश्वासन दिए जाने के बावजूद चिनहट पुलिस के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार भले ही अपनी उपलब्धियों का दावा कर रही हो, लेकिन पुलिस प्रशासन कमजोर वर्ग को निशाना बनाकर परेशान कर रहा है। उनका कहना है कि पूरे उत्तर प्रदेश में, चाहे शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, पुलिस का रवैया इस समय मनमाना और बेलगाम नजर आ रहा है। इस अवसर पर अयोध्या रोड अध्यक्ष रतन दास, महासचिव राजेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद, सचिव निर्भय सिंह, शिवाकांत यादव सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे। अयोध्या रोड अध्यक्ष रतन दास ने चेतावनी दी कि यदि चिनहट पुलिस द्वारा व्यापारियों का उत्पीड़न बंद नहीं किया गया, तो सभी व्यापारी धरना देने के लिए बाध्य होंगे।

योगी आदित्यनाथ ने माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

लोक तंत्र की शान

कूच बिहार/जलपाईगुड़ी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में फिर गरजे। माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्षी दलों के रुख की भर्त्सना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने यह संशोधन विधेयक पास नहीं होने दिया। यह देश की आधी आबादी का अपमान है, माता-बहनें इसे किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगी। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, बीजेपी आ रही है। अब बंगालवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

आधी आबादी को हक नहीं देना चाहते विपक्षी दल –मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहन-बेटियों के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण 2029 में लागू करने का संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा व वामपंथियों ने इसे पास नहीं होने दिया। ये लोग आधी आबादी को उसका हक नहीं देना चाहते, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी करते हैं। बंगाल में मुसलमानों का नाम मतदाता सूची में चढ़े और वे गरीबों के हक पर डकैती डाल सकें, तृणमूल सरकार का यही काम है। आखिर यह कब तक चलेगा। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को गिराने से आधी आबादी का अपमान हुआ है। देश की बहन-बेटियां इसे कतई स्वीकार नहीं कर सकती हैं।

'बुलडोजर बाबा' को देख बोला बंगाल, देखो-देखो शेर आया

लोक तंत्र की शान

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल की सड़कों पर शनिवार को 'बुलडोजर बाबा' का जबरदस्त क्रेज दिखा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने बीच पाकर स्थानीय नागरिकों का जोश देखते ही बनता था। जनता ने उनका जोरदार स्वागत किया। सीएम योगी को देख गगनभेदी नारों के बीच बंगालवासी बोल उठे, 'देखो-देखो, कौन आया, शेर आया-शेर आया। योगी जी सुस्वागतम!' उत्तर प्रदेश के इस शेर को बंगाल के मतदाताओं ने भी विश्वास दिलाया कि 4 मई, 'दीदी' गई। सीएम योगी ने इस शानदार रोड शो के लिए स्थानीय लोगों के प्रति आभार जताया। बंगाल की जनता के स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री ने रोड शो में विधायक व बांकुड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के लिए जनसमर्थन मांगा तो 'एक ही नारा-एक ही नाम, जय श्रीराम-जय श्रीराम, हर-हर महादेव' की गूंज से गुंजायमान बांकुड़ा की सड़कों पर उतरे मतदाताओं ने उन्हें आश्वस्त किया कि विधानसभा क्षेत्र में कमल ही खिलेगा। पूरे रोड-शो के दौरान सड़कों पर 'योगी-योगी' की गूंज सुनाई देती रही।

जनसैलाब से आई 'मन की आवाज', 4 मई-'दीदी' गई –बंगाल की सड़कों पर स्थानीय नागरिकों ने शनिवार को 'बुलडोजर बाबा' का अभूतपूर्व स्वागत किया। भगवा रंग की पगड़ी पहने सीएम योगी की एक झलक पाने को सड़क के दोनों ओर जनसैलाब उमड़ पड़ा। उन्हें अपने बीच देखकर मतदाताओं के मनोभाव भी जुबां पर आ गए। जगह-जगह से गूंज सुनाई देने लगी- 4 मई, 'दीदी' गई। अंधकार छंटेगा- कमल खिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाथ हिलाकर, हाथ जोड़कर बंगालवासियों का हृदय से अभिवादन किया।

रामपुरः महिला ने एसपी कार्यालय पहुंचकर लगाई गुहार, दुकान का ताला तोड़कर कब्जा करने का आरोप, वर्षों पुरानी दुकान से सामान भी गायब

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

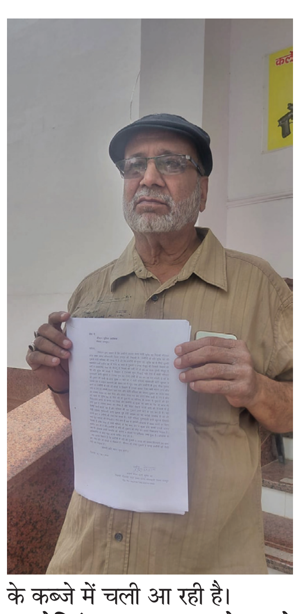

रामपुर । जनपद में एक महिला फरियादी ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला लालकर निवासी अजर बेगम पत्नी शोएब खान ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया और बताया कि उनकी दुकान पर कुछ लोगों ने जबरन कब्जा कर लिया है। पीड़िता के अनुसार दुकान में रखा सारा सामान भी गायब कर दिया गया है और दुकान का ताला तोड़कर अंदर से पूरा माल निकाल लिया गया। पीड़िता अजर बेगम ने बताया कि उनकी दुकान मोती मस्जिद और नोएडा चौकी के बीच स्थित है। यह दुकान उनके परिवार की पुरानी आजीविका का मुख्य साधन रही है। उन्होंने कहा कि यह दुकान उनके पति शोएब खान के पास कई वर्षों से है और यह दुकान उनके वालिद (पिता) के जमाने से उनके परिवार के कब्जे में चली आ रही है।

वेल्डिंग का काम करते-करते बिगड़ी आंखों की रोशनी–अजर बेगम ने बताया कि उनके पति शोएब खान पहले वेल्डिंग का कार्य करते थे, जिससे घर का खर्च चलता था। लेकिन वर्षों तक वेल्डिंग का काम करने के कारण उनकी आंखों पर बुरा असर पड़ा और अब उनकी आंखों की रोशनी काफी कमजोर हो गई है। उन्होंने बताया कि उनके पति को अब ठीक से दिखाई नहीं देता, जिससे काम करना लगभग बंद हो गया है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर होती जा रही है।

ताला तोड़कर दुकान पर कब्जे का आरोप–पीड़िता ने आरोप लगाया कि कुछ दबंग किस्म के लोगों ने उनकी दुकान का ताला तोड़ दिया और दुकान के अंदर रखा सामान गायब कर दिया। इसके बाद दुकान पर कब्जा कर लिया गया। पीड़िता का कहना है कि दुकान उनके लिए रोजी-रोटी का सहारा थी, लेकिन कब्जा हो जाने के बाद परिवार पूरी तरह परेशान हो गया है।

किराया समय-समय पर जमा करने का दावा–अजर बेगम ने बताया कि वह दुकान का किराया समय-समय पर जमा करती रही हैं। उन्होंने कहा कि वह दुकान को लेकर किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहती, लेकिन जबरन कब्जा कर लिया गया है और सामान भी चोरी कर लिया गया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि उन्हें उनकी दुकान वापस दिलाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

एसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार–पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उनका परिवार पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से अपील की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई जाए और दुकान को कब्जामुक्त कराया जाए। फिलहाल पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर पीड़िता को कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में कब तक ठोस कदम उठाता है और पीड़िता को न्याय दिला पाता है।

संभल पुलिस की जनसुनवाई में संवेदनशीलता और तत्परता की मिसाल

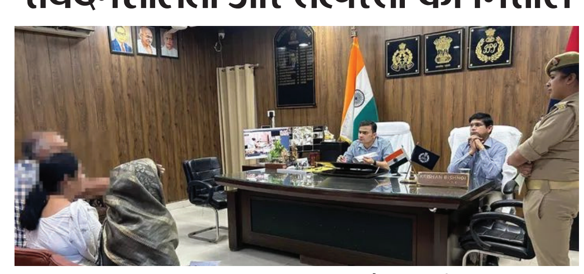

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संभल की कार्यशैली एक बार फिर जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती नजर आई। जनसुनवाई के दौरान पहुंचे प्रत्येक फरियादी की बात धैर्यपूर्वक सुनी गई और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार की सक्रियता और संवेदनशील दृष्टिकोण ने आमजन में विश्वास और सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया। संभल पुलिस प्रशासन की यह पहल न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, बल्कि आम जनता के बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक छवि भी स्थापित कर रही है। जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इस प्रकार की जनसुनवाई कार्यक्रम निश्चित रूप से प्रशासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय का सेतु बन रहे हैं।

मानवता की मिसालः डीएम व एसपी ने दिखाई संवेदनशीलता, घायल को तत्काल पहुंचाया अस्पताल

लोक तंत्र की शान,सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। गुन्नौर–बहजोई मार्ग पर थाना धनारी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार की नजर घायल व्यक्ति पर पड़ी। दोनों अधिकारियों ने तुरंत मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपनी गाड़ी रुकवाई और बिना देरी किए घायल को अपनी एस्कॉर्ट वाहन से उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। अधिकारियों की तत्परता और मानवता भरे इस कार्य की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस तरह की संवेदनशीलता प्रशासन की सकारात्मक छवि को मजबूत करती है और आमजन में भरोसा बढ़ाती है। डीएम व एसपी के इस सराहनीय कदम ने यह साबित कर दिया कि प्रशासन केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर मानवता की सेवा में भी अग्रणी रहता है।

विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने ग्राम चौपाल में सुनी जनसमस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद। शासन के निर्देशानुसार विकास खंड कुंदरकी और मुंडापांडे के विभिन्न ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने इन चौपालों का शुभारंभ किया और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना, विभागीय अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, विकास खंड कुंदरकी के ग्राम इमरतपुर उद्यो तथा विकास खंड मुंडापांडे के ग्राम अक्का डीलारी और वीरपुर वरियार में आयोजित इन चौपालों में विधायक ने जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया।उन्होंने मौके पर मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और न्यायोचित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, पात्रों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ अपने संबोधन में विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरलता से मिले। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "खुशहाल गांव और सशक्त ग्रामीण ही हमारी प्राथमिकता हैं, मौके पर ही हुआ शिकायतों का समाधान ग्राम चौपाल के दौरान विभिन्न कल्याणकारी कार्यों को गति दी गई।

पेंशन योजनाः– अनेक व्यक्तियों के विभिन्न पेंशन योजनाओं के आवेदन भरवाए गए।

विद्युत विभागः– बिजली मीटर से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

फार्मर रजिस्ट्रीः– किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया संपन्न कराई गई,।

इन विभागों की रही उपस्थितिः– चौपाल में स्वास्थ्य, ग्राम विकास, पंचायती राज, समाज कल्याण, राजस्व, पूर्ति, कृषि, विद्युत, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह, पूर्ति निरीक्षक शैलेंद्र सिंह, सहायक विकास अधिकारी कुलदीप सिंह, लेखपाल निक्की कुमारी, सीएचओ विशेष कुमार, विवेक कुमार, मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, विजेंद्र चौधरी, इरशाद खान, राकेश कश्यप, राजवीर सिंह, जिला मंत्री ज्योति वाल्मीकि, मुदित त्यागी, अंकित चौहान, बबलू प्रजापति, महेन्द्र प्रजापति, केपी सिंह, उस्मान अली और विनोद यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीएसपी में लूट का दावा निकला झूठा, संचालक बोला- मोबाइल में पर्सनल फोटो विवाद में हुई थी तोड़फोड़

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर बाजार स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) में शुक्रवार देर शाम हुई तोड़फोड़ और मारपीट की घटना में नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सीएसपी संचालक द्वारा डेढ़ लाख रुपये की लूट का दावा झूठा पाया गया है। संचालक ने स्वीकार किया है कि लूट नहीं हुई थी, बल्कि केवल तोड़फोड़ की गई थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आधा दर्जन अज्ञात बदमाशों ने सीएसपी केंद्र पर हमला किया था। उन्होंने संचालक के साथ मारपीट की और दुकान में तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में सीएसपी संचालक मनीष कुमार ने स्वीकार किया कि उसने लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। उसने बताया कि वास्तव में केवल तोड़फोड़ हुई थी। संचालक के अनुसार, किरतपुर गांव निवासी जयनाथ कुमार ने सुबह उसे फोन कर आरोप लगाया था कि उसने किसी के मोबाइल से निजी तस्वीरें निकालकर वायरल कर दी हैं। संचालक ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा था कि वह मोबाइल बनाने का काम नहीं करता है। शाम होते ही आधा दर्जन अज्ञात बदमाशों ने सीएसपी केंद्र पर हमला कर दिया। संचालक ने आशंका जताई है कि यह घटना मोबाइल से तस्वीरें वायरल करने के विवाद से जुड़ी हो सकती है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं से गहनता से छानबीन कर रही है। इस संबंध में भगवानपुर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि मोबाइल फोन से फोटो वायरल करने का आरोप लगाकर कुछ लड़कों ने सीएसपी सेंटर में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएसपी संचालक द्वारा डेढ़ लाख रुपये की लूट की घटना बताई गई थी, जो पूरी तरह गलत है। थाना अध्यक्ष ने पुष्टि की कि सीएसपी संचालक मनीष कुमार ने स्वीकार किया है कि कोई रुपए लूटे नहीं गए हैं।

हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया की फोम फैक्ट्री में आग, फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में एक फोम फैक्ट्री में आग लग गई। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मी आग पर काबू पाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। आग लगने की जानकारी मिलते ही इंडस्ट्रियल थाना पुलिस अधिकारी और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाने की कोशिश लगातार की जा रही है। घटना की सूचना के बाद देखते ही देखते भारी संख्या में लोग भी जमा हो गए। पुलिस अधिकारियों ने फोम फैक्ट्री से लोगों को बाहर निकालने के लिए निर्देश दिए। वे सायरन बजाते और लोगों को बाहर जाने का इशारा करते देखे गए। आग इतनी तेज थी कि फैक्ट्री परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

51 ग्राम हेरोइन जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार, मदारपुर चौक से चंदन कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले की गंगाब्रिज थाना पुलिस ने 16 अप्रैल 2026 को मदारपुर चौक से एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से 51 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। 17 अप्रैल की शाम में SP ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले की जानकारी दी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के मदारपुर चौक पर एक तस्कर हेरोइन बेचने आने वाला है। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष अभियान चलाया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर सुबोध कुमार के नेतृत्व में दंडाधिकारी और गंगाब्रिज थाना पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। टीम ने मदारपुर चौक से चंदन कुमार को गिरफ्तार किया। चंदन कुमार मानसिंहपुर, थाना- सराय, जिला- वैशाली निवासी बीरचंदर चौरसिया का पुत्र है। वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार चंदन कुमार के पास से कुल 110 छोटी डिबियों में रखी 51 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक (हेरोइन) बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह यह अवैध मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे बेचने वाला था। इस संबंध में गंगाब्रिज थाना में कांड संख्या 100/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास का भी पता लगा रही है। वैशाली पुलिस जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और बिक्री पर रोक लगाने तथा तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चला रही है। यह गरिफ्तारी इसी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वांछित अपराधी सुनील कुमार अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार, पुलिस ने लूट के एक दर्जन मामले सुलझाए

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने एक वांछित अपराधी सुनील कुमार को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से लूटपाट के लगभग एक दर्जन मामलों का खुलासा हुआ है। सदर थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़ा और उसकी निशानदेही पर एक देशी कट्टा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया। यह कार्रवाई जिले में वांछित और गंभीर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, फरवरी माह में सदर थाना क्षेत्र में लूट की दो बड़ी घटनाएं हुई थीं। 22 फरवरी को विशनपुर बालाधारी में एक मोटरसाइकिल सवार से बाइक लूटी गई थी। इसके बाद, 27 फरवरी को मलमल्ला चौड़ में एक अन्य मोटरसाइकिल सवार से बाइक और मोबाइल लूटा गया था। इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर, सुबोध कुमार कर रहे थे, जिसमें सदर थानाध्यक्ष भी शामिल थे। गठित विशेष टीम ने लगातार छापेमारी की। मानवीय और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर सुनील कुमार को उसके ननिहाल साहदुल्लाहपुर से गिरफ्तार किया गया। सुनील कुमार पुत्र लखेन्दर पासवान, निवासी चकबालाधारी, थाना सदर, जिला वैशाली का रहने वाला है। उसकी निशानदेही पर चकबालाधारी से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुनील कुमार पर पहले से लगभग एक दर्जन गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह सदर और आसपास के थाना क्षेत्रों का एक सक्रिय अपराधी रहा है। इस संबंध में सदर थाना में कांड संख्या 246/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच में युवक की मौत

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मृतक की पहचान कांटी कोठिया के निवासी महेंद्र पासवान के पुत्र संतोष पासवान के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, संतोष पासवान बीते दिनों बोचहां थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद SKMCH भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि समय पर और उचित इलाज नहीं मिलने के कारण संतोष की जान गई। मरीज की स्थिति को लेकर डॉक्टरों की ओर से सही जानकारी नहीं दी गई। कई बार पूछने पर भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि जब डॉक्टरों से जानकारी लेने पहुंचे और सवाल-जवाब करने लगे, तो वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड ने उनके साथ मारपीट की। मारपीट में मृतक के पिता महेंद्र पासवान समेत तीन लोग घायल हो गए। परिजनों और सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद बढ़ने से स्थिति कुछ समय के लिए बिगड़ गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। अस्पताल प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी, प्रशासन ने तय की पूरी कार्ययोजना

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिला प्रशासन ने उर्दू भाषा के संरक्षण और छात्र-छात्राओं में बौद्धिक एवं भाषाई विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलेभर में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने को लेकर विस्तृत आदेश जारी किया है। समाहरणालय स्थित जिला उर्दू भाषा कोषांग द्वारा जारी इस आदेश में प्रतियोगिता के आयोजन से लेकर पुरस्कार वितरण तक की पूरी कार्ययोजना को विस्तार से स्पष्ट किया गया है।

प्रतियोगिता का उद्देश्य और आयोजन–जारी निर्देश के अनुसार, यह प्रतियोगिता उर्दू भाषा विद्यार्थी प्रोत्साहन राज्य योजना के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में उर्दू भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना, उनकी तार्किक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना है। प्रतियोगिता का आयोजन 30 अप्रैल 2026 को सहरसा में निर्धारित स्थल पर किया जाएगा, जहां जिलेभर के चयनित प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

प्रतिभागियों का चयन और भागीदारी–प्रतियोगिता में जिले के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक (10+2), मदरसा तथा महाविद्यालय स्तर के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। प्रत्येक विद्यालय/महाविद्यालय से अलग-अलग वर्गों—मैट्रिक/फोकानिया, इंटर/मौलवी तथा स्नातक/आलिम—के लिए 3-3 प्रतिभागियों का चयन कर उनकी सूची जिला उर्दू कोषांग को भेजने का निर्देश दिया गया है।

विषयों की विस्तृत सूची–प्रतियोगिता के लिए विभिन्न वर्गों के अनुसार अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए हैं, जिनमें सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और समसामयिक मुद्दों को शामिल किया गया है।

मैट्रिक/समकक्ष स्तर के प्रमुख विषयः

- किताबें हमारी बेहतरीन दोस्त हैं
- तालीम की अहमियत
- नौजवान इंसान को जोड़ते हैं
- उर्दू शेर व अदबः बिहार की रवानगी और विविधता
- उर्दू जुबानः कौमी एकता और सहनशीलता की मिसाल

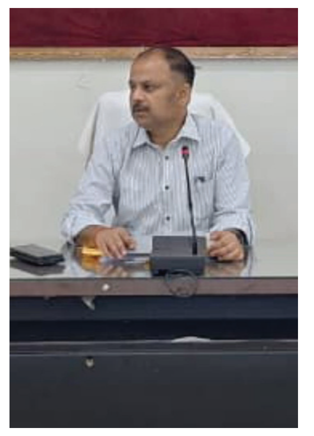

इंटर/समकक्ष स्तर के विषयः

- अदब समाज का आईना है
- इंसानियत की तालीम और खुशहाली
- उर्दू जुबान की खिदमत और उसकी अहमियत
- उर्दू पत्रकारिता का समाज और सत्ता से संबंध
- आधुनिक दौर में उर्दू जुबान की प्रासंगिकता
- उर्दू मीडिया और तकनीकी बदलाव
- बिहार में उर्दू साहित्य की वर्तमान स्थिति

स्नातक/समकक्ष स्तर के विषयः

- उर्दू अदब में इंसानियत का संदेश
- उर्दू ग़ज़ल और उसका विकास
- उर्दू शायरी में सामाजिक यथार्थ
- कंप्यूटर और उर्दू भाषा
- उर्दू की तरक्की में नई तकनीक की भूमिका
- उर्दू पत्रकारिता की चुनौतियां
- उर्दू और हिंदी का संबंध
- बिहार में उर्दू साहित्यः परंपरा और आधुनिकता

पुरस्कार और मानदेय–प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। विभिन्न वर्गों के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को क्रमशः 6500, 5500 और 4500 (वरिष्ठ वर्ग) तथा अन्य वर्गों में निर्धारित राशि प्रदान की जाएगी। कुल मिलाकर लगभग 1,05,000 की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इसके अलावा निर्णायक मंडल के सदस्यों को भी मानदेय दिया जाएगा, जिसकी राशि 2000 प्रति सदस्य तय की गई है।

व्यवस्थाएं और संसाधन–कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें शामिल हैंः

- प्रतिभागियों के लिए प्रमाण पत्र (100 प्रतियां)
- मेडल (24)
- पंडाल, साउंड सिस्टम, मंच सज्जा
- जेनरेटर, लाइटिंग व्यवस्था
- प्रतिभागियों के लिए नाश्ता (700 पैकेट) और पेयजल
- बैनर, फ्लेक्स और प्रचार सामग्री
- फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की व्यवस्था

प्रशासनिक जिम्मेदारियां–कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विभिन्न अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैंः

- जिला उर्दू भाषा कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी को समन्वय और संचालन की जिम्मेदारी दी गई है
- जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश
- अनुमंडल पदाधिकारी को कार्यक्रम स्थल और व्यवस्थाओं की निगरानी
- जनसंपर्क विभाग को प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी
- नगर परिषद को साफ-सफाई और आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था

विशेष निर्देश–प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इसमें भाग लें, जिससे कार्यक्रम का उद्देश्य सफल हो सके।

निष्कर्ष–जिला प्रशासन की इस पहल को उर्दू भाषा के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उर्दू भाषा और साहित्य के प्रति नई पीढ़ी में जागरूकता और रुचि भी बढ़ेगी।

परिसीमन सुधार अभियान रोकना जनविरोधी कदमः अर्चना आनंद

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः राष्ट्रीय लोक मोर्चा की जिला संयोजक अर्चना आनंद ने पार्टी द्वारा संचालित "संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार" अभियान को संसद में विपक्षी दलों द्वारा रोकने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और जनविरोधी कदम बताते हुए कहा कि यदि यह प्रस्ताव कानून का रूप लेता, तो बिहार सहित पूरे देश में बेहतर प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त होता। अर्चना आनंद ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन सुधार के तहत बिहार में लोकसभा सीटों की संख्या 40 से बढ़ाकर 60 और विधानसभा सीटों की संख्या 243 से बढ़ाकर 365 किए जाने की संभावना थी। इससे राज्य के नागरिकों को अधिक सशक्त और संतुलित राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सकता था। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल सीटों की संख्या बढ़ाने का मुद्दा नहीं, बल्कि बिहार और देश के संवैधानिक अधिकारों, समान राजनीतिक भागीदारी और संतुलित विकास से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा लंबे समय से इन मुद्दों को मजबूती से उठाता रहा है। अर्चना आनंद ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री Narendra Modi, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष Upendra Kushwaha तथा एनडीए के अन्य नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस विषय को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। वहीं, उन्होंने विपक्षी दलों के रुख की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राज्य और महिला विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बिहार और देश की जनता के अधिकारों के साथ अन्याय है, जिसका जवाब जनता आने वाले समय में अवश्य देगी। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार और देश के हितों, सम्मान और मजबूत लोकतंत्र के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य आगे भी जारी रहेगा।

सहरसा में गैस आपूर्ति नेटवर्क का विस्तार 125 मिमी ट्रंक लाइन बिछाने का कार्य पूरा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः शहर में गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सहरसा में 125 मिमी ट्रंक लाइन बिछाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। सिटी गैस प्रबंधन द्वारा रातभर चले इस कार्य के जरिए शहर के गैस वितरण नेटवर्क को और मजबूत किया गया है।

तकनीकी प्रगति से बढ़ेगी आपूर्ति क्षमता–शहरी गैस नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक एचडीडी (होरिजॉन्टल डायरेक्शनल ड्रिलिंग) तकनीक का उपयोग करते हुए 125 मिमी एमडीपीई ट्रंक लाइन बिछाई गई। इस नई लाइन के शुरू होने से शहर के विभिन्न हिस्सों में गैस की नियमित और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही, इस तकनीक के उपयोग से सड़क यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा और कार्य को कुशलतापूर्वक पूरा किया गया।

गैस वितरण की वर्तमान स्थिति-जिले में गैस वितरण व्यवस्था सामान्य रूप से सुचारु बनी हुई है। हालिया आंकड़ों के अनुसारः

जिले में 1,734 नई गैस बुकिंग दर्ज की गई हैं, जबकि 1,964 रिफिल की सफल डिलीवरी की गई। प्रमुख वितरकों—जैसे एचपी गैस और भारत गैस—के पास

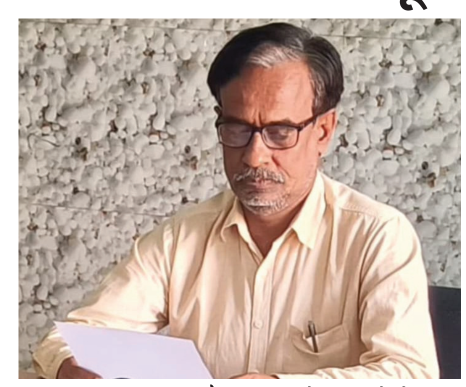

पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान में वितरकों के पास कुल 4,851 एचपी गैस और 4,522 भारत गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) का भंडार मौजूद है, जिससे निकट भविष्य में किसी प्रकार की कमी की संभावना नहीं है।

भविष्य की योजना–सिटी गैस सहरसा का लक्ष्य पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार करते हुए हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित ईंधन पहुंचाना है। 125 मिमी ट्रंक लाइन का यह विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भविष्य में बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगा। इस पहल से शहरवासियों को बेहतर और निर्बाध गैस आपूर्ति का लाभ मिलेगा, साथ ही स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

सहरसा में '7 निश्चय-3' योजनाओं की समीक्षा, विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में विकासात्मक एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अनुश्रवण सुनिश्चित करने को लेकर जिलाधिकारी सहरसा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में '7 निश्चय-3' के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में "दोगुना रोजगार–दोगुनी आय" के लक्ष्य पर विशेष जोर देते हुए प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा उनके कौशल विकास पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जीविका समूहों के माध्यम से लाभान्वित महिलाओं को दी गई राशि का उचित उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ग्रामीण उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए सभी क्षेत्रों में हाट-बाजार विकसित करने तथा औद्योगिक क्षेत्रों की पहचान कर उनके विकास की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सहरसा की भौगोलिक स्थिति को

देखते हुए मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने एवं इसके प्रसंस्करण उद्योग को जिले में ही विकसित करने पर बल दिया गया, ताकि किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके। कृषि क्षेत्र में आय वृद्धि के लिए किसानों को पारंपरिक फसलों के स्थान पर अधिक आय देने वाली फसलों की खेती हेतु प्रेरित करने और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। सिंचाई सुविधा सुदृढ़ करने के लिए हर खेत तक पानी पहुंचाने पर जोर दिया गया। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। साथ ही जिले में बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने तथा अस्पतालों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। शहरी क्षेत्रों में गरीबों के लिए किफायती आवास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण, खेल सुविधाओं के विकास और पंचायत स्तर पर आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिविल सर्जन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पटना के एलएनजेपी ट्रॉमा सेंटर में सर्जिकल सेवाएं शुरू

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल (LNJP) ट्रॉमा सेंटर में बहुप्रतीक्षित सर्जिकल सेवाओं की शुरुआत हो गई है। अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर को सक्रिय कर ट्रायल फेज में सर्जरी शुरू की है। इस पहल से सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' (पहले एक घंटे) के भीतर समुचित इलाज मिलने की उम्मीद है। पहले ऐसे मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता था, जिससे इलाज में देरी होती थी और जान का जोखिम बढ़ जाता था।

मरीजों को अस्पतालों में भटकना नहीं पड़ेगाः अस्पताल प्रशासन के अनुसार, ट्रॉमा सेंटर में अब जनरल सर्जरी, न्यूरो सर्जरी और क्रिटिकल केयर जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं शुरू की जा रही हैं। दुर्घटना में घायल मरीजों को अक्सर सिर, छाती, पेट या आंतरिक अंगों में गंभीर चोटें आती हैं, जिनका इलाज अब यहीं संभव हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में ऑर्थोपेडिक सर्जनों के अलावा न्यूरो सर्जन, जनरल सर्जन और कार्डियक विशेषज्ञों की टीम उपलब्ध कराई जा रही है। इससे मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में भटकना नहीं पड़ेगा और समय पर इलाज सुनिश्चित हो सकेगा।

इनामी अंतरजिला अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार संयुक्त कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सहरसा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पतरघट थाना और बैजनाथपुर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 5000 के इनामी अंतरजिला अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अवैध हथियारों की बरामदगी को लेकर लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस द्वारा नियमित गश्ती, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच तेज कर दी गई है।

सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई–17 अप्रैल 2026 को बैजनाथपुर थानाध्यक्ष अमित रंजन को गुप्त सूचना मिली कि कुख्यात अंतरजिला अपराधी रामू कुमार, जो बैजनाथपुर थाना कांड संख्या 59/26 (पूजा पेट्रोल पंप लूट) और मधेपुरा जिले के भर्राही थाना कांड संख्या 99/26 (सेंट्रल बैंक लूट) में वांछित है, अपने गांव धबौली (थाना पतरघट) स्थित एक आम के बगीचे

में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पतरघट थाना पुलिस, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम का गठन कर तत्काल छापेमारी की गई।

भागने की कोशिश नाकाम, दबोचा गया आरोपी–पुलिस टीम जैसे ही बताए गए स्थान पर पहुंची, एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। तत्परता दिखाते हुए पुलिस बल ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान रामू कुमार (उम्र लगभग 25 वर्ष), पिता उपेंद्र साह, निवासी धबौली, थाना पतरघट, जिला सहरसा के रूप में बताई।

हथियार और अन्य सामान बरामद-गिरफ्तार आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास सेः

01 देशी कट्टा
01 जिंदा कारतूस
01 मोबाइल फोन
बरामद किया गया। बरामद हथियार को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

मामला दर्ज, आगे की कार्रवाई जारी–इस संबंध में पतरघट थाना कांड संख्या 80/26 दिनांक 17.04.2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी का आपराधिक इतिहास-गिरफ्तार अपराधी रामू कुमार पर पहले से ही कई संगीन मामले दर्ज हैं, जिनमें: बैजनाथपुर थाना कांड संख्या 59/2026 (लूट एवं आर्म्स एक्ट),मधेपुरा जिले के भर्राही थाना कांड संख्या 99/2026 (बैंक लूट एवं आर्म्स एक्ट) शामिल हैं।

कार्रवाई में शामिल टीम -इस अभियान में पतरघट एवं बैजनाथपुर थाना के थानाध्यक्षों सहित पुलिस पदाधिकारियों, जिला आसूचना इकाई तथा सशस्त्र बल के जवानों की सक्रिय भूमिका रही।

पुलिस का सख्त संदेश–सहरसा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम विपक्ष को भुगतना पड़ेगा -डा अशोक

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट , करनाल : नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, TMC, DMK और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया. महिलाओं को 33% आरक्षण देने के बिल को गिरा देना, उसका उत्सह मनाना और जयनाद करना सचमुच निंदनीय और कल्पना से परे है. अब देश की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण, जो उनका अधिकार था,वह नहीं मिल पाएगा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने यह पहली बार नहीं किया बल्कि ऐसा बार-बार किया है उनकी यह सोच न महिलाओं और न देश के हित में है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विशेषकर राहुल गांधी देश हित की हर चीज का विरोध करते हैं. ये लोग नारी विकास, नारी वंदन और नारी प्रतिनिधित्व का विरोध करते हैं और इसके लिए देश की जनता और देश की माता-बहनें इन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने जिस प्रकार माताओं और बहनों को उनका न्यायोचित हक देने से वंचित किया गया है उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा और अब देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली इस देश की महिलाएं अब कांग्रेस और उसके महिला विरोधी गठबंधन के खिलाफ दृढ़ता और एकजुटता के साथ खड़ी होंगी।

आंधी का कहर, छत पर दीवार गिरने से मां-बेटी घायल, हायर सेंटर रेफर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: नगर में बीती रात आए भीषण आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जिसमें घर की छत गिरने से मां और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना हसनपुर नगर के मोहल्ला मुबारकपुर कला (पेट्रोल पंप के पीछे) की है। स्थानीय निवासी नदीम सलमानी का परिवार रात में अपने किराए के घर में था, तभी तेज हवाओं के कारण मकान की ऊपरी दीवार ढह गई। दीवार का मलबा सीधे छत पर जा गिरा, जिससे छत की पट्टियां टूटकर नीचे कमरे में बैठी नदीम की पत्नी शबाना और उनकी बेटी उजमा के ऊपर गिर गई। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों और पड़ोसियों ने मलबे में दबी मां-बेटी को बाहर निकाला। दोनों को तत्काल नगर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, चोटें गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीएम हिमांशु उपाध्याय ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि राजस्व टीम को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन और जांच कराई जा रही है। पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधानों के अनुसार हर संभव आर्थिक सहायता और मदद दिलाने का भरोसा दिया गया है।

महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम,2023 के प्रचार अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: शनिवार को चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन डोगरोली में नारी शक्ति वंदन अधिनियम , २०२३ के प्रचार अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए । नारी शक्ति वंदन अधिनियम थीम पर रंगोली बनाई गई जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया । संस्थान प्रबंधिका श्रीमती अनुभा अग्रवाल ने सभी छात्राओं व महिलाओं को उनके अधिकार समझने के लिए एवं उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए कहां की महिलाएं एवं छात्राओं को अपने अधिकारों को जानना बहुत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। जिससे वे अपने समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपने अधिकारों का सदुपयोग कर सकें । छात्राओं ने मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रम किए गए एवं नारी शक्ति वंदन के तहत महिलाओं एवं छात्राओं को राजनीति में भागीदारी एवं नई नीति निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया गया । महिलाओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न प्रकार के स्लोगन जैसे जब नारी सशक्त होगी तभी देश समृद्ध होगा सशक्त नारी विकसित नारी आधी आबादी पूरा हक नारी शक्ति वंदन देश को नमन सशक्त बेटी समृद्ध नारी को समझाया गया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही एवं उचित मार्ग दिखाने की पूर्ण कोशिश की गई । कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर राकेश आर्य, विनोद कुमार, अतुल शर्मा, राजकुमार , मनोज कुमार, जूही त्यागी, अनुराधा त्यागी , एवं सभी छात्राओं ने भाग लिया ।

रेवाड़ी : थ्रैशर मशीन में फंसकर किसान की मौत

लोक तंत्र की शान , रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव खुर्शीद नगर में शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जहां थ्रैशर मशीन की चपेट में आने से 52 वर्षीय किसान की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव खुर्शीद नगर निवासी यशपाल खेत में गेहूं निकालने का कार्य कर रहे थे। इसके लिए थ्रैशर मशीन लगाई गई थी और परिवार के अन्य सदस्य भी काम में जुटे हुए थे। देर शाम के समय यशपाल खुद मशीन पर चढ़कर गेहूं की फसल डाल रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका हाथ मशीन में फंस गया और देखते ही देखते थ्रैशर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि जब तक आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते और मशीन बंद करते, तब तक यशपाल का शरीर कमर से ऊपर तक मशीन के अंदर जा चुका था। मौके पर मौजूद परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और किसान की जान जा चुकी थी। बताया जा रहा है कि मृतक का बेटा उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत है। घटना की सूचना मिलते ही कोसली थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों को मशीनों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

पोषण जागरूकता कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली पर जोर, बाल विवाह उन्मूलन का संकल्प

लोक तंत्र की शान , यमुनानगर। पोषण पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत खंड छछरौली स्थित राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व से अवगत कराया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी कुसुम लता ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी मिक्षा रंगा के मार्गदर्शन में जिलेभर में पोषण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि संतुलित आहार के लिए महंगे खाद्य पदार्थ आवश्यक नहीं हैं, बल्कि घर पर उपलब्ध फल, सब्जियां, दालें और नियमित व्यायाम से बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

तेरह लाख के चोरी की सामग्री जब्त, आरोपी फरार

» कोतवाली पुलिस को मिली सामग्री बरामद करने में सफलता

» कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्यवाही, आभूषण दुकान में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 13 लाख का मशरूका जप्त

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। गांधी चौक स्थित एक ज्वेलरी शॉप में महिलाओं द्वारा की गई लाखों रुपये की चोरी के मामले का कोतवाली पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन सहित चोरी गए आभूषण बरामद कर लिए हैं। कुल जब्ती करीब 13 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, फरियादी मोहित सोनी निवासी वार्ड क्रमांक 10 जैसवाल कॉलोनी ने 13 अप्रैल 2026 को थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे 2-3 महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर आईं और जेवर देखने के दौरान सोने की चैन, मंगलसूत्र, लाकेट सहित अन्य आभूषण चोरी कर ऑटो से फरार हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने लगभग 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिससे संदिग्ध वाहन और आरोपियों के भागने के मार्ग का पता चला। मुखबिर की सूचना पर तेंदुहा मोड़ के पास घेराबंदी की गई, जहां संदिग्ध वाहन मिला। पुलिस को देख आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से चोरी गए सोने के आभूषण बरामद किए गए। बरामद आभूषणों की कीमत करीब 5 लाख रुपये और जप्त वाहन की कीमत करीब 8 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह कुल जब्ती लगभग 13 लाख रुपये रही। इस मामले के शीघ्र खुलासे में थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय, उपनिरीक्षक सुनील पांडेय, प्रधान आरक्षक आनंद शर्मा, रण बहादुर सिंह, आरक्षक शिवेंद्र मिश्रा एवं महिला आरक्षक प्रिया तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

बजरंग दल ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को गांधी चौक में प्रदर्शन करते हुए विभिन्न मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम विभाग संयोजक शैलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम के दौरान शेखर भारती ने ज्ञापन का वाचन किया। ज्ञापन में देश में बढ़ती आपराधिक और समाज विरोधी गतिविधियों पर चिंता जताते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की गई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि ऐसी घटनाएं सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही हैं। ज्ञापन में मुख्य रूप से तथाकथित "लव जिहाद", महिलाओं के शोषण, अवैध कब्जों तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के मामलों पर सख्त कदम उठाने की मांग की गई। साथ ही सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने, जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने और जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की बात भी रखी गई। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की कि ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ त्वरित और सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कई सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी प्रचार-प्रसार प्रमुख धीरेश मिश्र द्वारा दी गई।

अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती, रेत से भरा वाहन जब्त, मुरूम उत्खनन पर प्रकरण दर्ज

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार कार्रवाई तेज कर दी है। जिला प्रशासन के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 17 अप्रैल 2026 को जांच के दौरान तहसील गोपदबनास के ग्राम पनवार में खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक हाइवा वाहन (क्रमांक MP53HA1482) को जब्त किया गया। वाहन को सुरक्षार्थ थाना जमोड़ी में रखा गया है। संबंधित वाहन चालक एवं स्वामी के खिलाफ म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं, ग्राम कुकड़ीझर में निजी भूमि पर मुरूम के अवैध उत्खनन की शिकायत पर जांच की गई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर मेसर्स एनएसटी इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स एलएलपी (प्रो. श्रीमती प्रीति एवं श्रीमती श्रुति अग्रवाल, रोहिणी, दिल्ली) के विरुद्ध भी मामला दर्ज किया गया है। बताया गया कि अवैध रूप से निकाली गई मुरूम का उपयोग समीप निर्माणाधीन सड़क में किया जा रहा था। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी प्रकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे, ताकि आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव20 अप्रैल मनाया जाएगा

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ,जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी- ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव इस वर्ष भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। 20 अप्रैल को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे।पूजन-हवन से होगा शुभारंभकार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल ब्राह्मण सत्संग भवन में विधि-विधान के साथ पूजन एवं हवन से होगी। इस दौरान वेदपाठी ब्राह्मण मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएंगे।शोभायात्रा बनेगी आकर्षण का केंद्रसंध्या 5 बजे गोलबाजार स्थित रामलीला मैदान से शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। संतों के सानिध्य में निकलने वाली इस यात्रा में आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।निर्धारित मार्ग से गुजरेगी यात्राशोभायात्रा रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, सुभाष चौक और शेर चौक होते हुए ब्राह्मण सत्संग भवन पहुंचेगी।महाआरती और भंडारे के साथ समापनकार्यक्रम का समापन सत्संग भवन में महाआरती के बाद विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।सौहार्द और एकता का संदेशसमाज के पदाधिकारी घर-घर जाकर निमंत्रण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, प्रेम और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है।अपीलब्राह्मण समाज ने जिले के सभी विप्र बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत छात्र-छात्राओं को किया जागरूक, सुरक्षा व सशक्तिकरण पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान, संवाददाताः सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के बीच महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी सुधीर पवार एवं मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक रश्मि मलिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक रश्मि मलिक ने छात्राओं एवं महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के उद्देश्यों और विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा प्रदान करने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

इस दौरान अभियान के प्रमुख बिंदुओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया—

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनाः सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाई गई है तथा एंटी-रोमियो टीम लगातार सक्रिय है, जिससे महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

जागरूकता अभियानः चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जा रही है।

हेल्पलाइन सुविधाः 1090 व 112 जैसी आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देकर तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरताः महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

अपराधों पर सख्त कार्रवाईः महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर त्वरित व कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे अपराधियों में भय बना रहे। कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी सुधीर पवार ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और मिशन शक्ति 5.0 के माध्यम से उन्हें हर संभव सुरक्षा एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, "महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए पुलिस सदैव तत्पर है।"

पटवाई क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति की शव मिलने पर सनसनी

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। पटवाई थाना क्षेत्र के ग्राम मदारपुर व चंदनपुर के पास पटवाई शाहाबाद रोड के किनारे एक अज्ञात मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति का शव उम्र करीब 45 वर्ष मिला है आसपास के लोगों ने बताया कि यह व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त था और करीब चार दिन से इसी क्षेत्र में घूम रहा था आसपास के लोगों को बुलाकर पहचान कराई जा रही है शरीर पर कोई जाहिर चोट नहीं है कद करीब 5 फुट 4 इंच रंग सांवला है व कमीज मैली व सफेद लाइनदार , नीचे एक बनियान नीले कलर का दूसरा लाल कलर का, अंडरवियर हल्का गुलाबी व सिलेटी कलर की पेंट ,पैरों में कोई चप्पल नहीं है । शारीरिक स्थिति बहुत कमजोर है। सफेद और काले बाल व दाढ़ी के भी सफेद काले बाल हैं तथा तलाशी लेने पर बायी पेंट की जेब से एक स्टील का गिलास वह दाहिनी जब से तीन-चार कौड़ी वह एक-एक के सिक्के व दो-दो के सिक्के व दो पांच पांच के सिक्के कल 30 बरामद हुए हैं आसपास के लोगों से पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन सभी ने बताया कि तीन-चार दिन से इसी क्षेत्र में यह व्यक्ति घूम रहा था जो मानसिक रूप से विक्षिप्त था । पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है

परशुराम जयंती पर शांति बनाए रखने को लेकर जमोड़ी थाना में बैठक

लोकतंत्र की शान, (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। आगामी परशुराम जयंती को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जमोड़ी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल हुए। बैठक में त्योहार को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने पर जोर दिया गया। प्रशासन ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा करने से बचें। साथ ही जुलूस एवं अन्य आयोजनों में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बैठक में मेजर सिंह समाजसेवी, महेंद्र सिंह समाजसेवी, ओमकार सिंह पार्षद, अजीत सिंह समाजसेवी, बृजेश पाण्डेय पत्रकार, कौशल प्रसाद वर्मा उपसरपंच, जमोड़ी सेंगरान सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा।

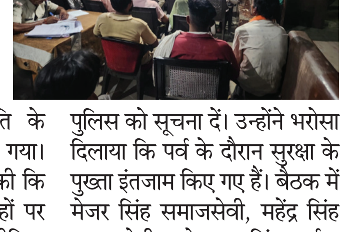

योगी सरकार की पहलः मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बेटियों का सशक्त भविष्य हो रहा सुनिश्चित

लोकतंत्र की शान

लखनऊः उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेटियों के उत्थान और सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से योगी सरकार बालिकाओं को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है। महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित यह योजना बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन रही है। इस योजना के तहत अब तक प्रदेश की 27 लाख से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो चुकी हैं, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

बेटियों के लिए आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा का मजबूत आधार-साल 2019 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब तक प्रदेश की 27,37,676 से अधिक बालिकाओं को लाभ मिल चुका है। योजना के अंतर्गत अब तक 674.13 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। यह सहायता राशि कुल 6 चरणों में दी जाती है, जो बालिका के जन्म से लेकर ग्रेजुएशन में प्रवेश तक उसे आर्थिक संबल प्रदान करती है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को मिल रहा बल-यह योजना न सिर्फ आर्थिक सहायता देती है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में भी अहम भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। लिंगानुपात में सुधार, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक और बालिकाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में यह योजना प्रभावी साबित हो रही है। यह योजना शत-प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में-योजना का संचालन ऑनलाइन पोर्टल (mksy.up.gov.in) के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहती है। साथ ही पीएफएमएस के जरिए धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना खत्म हो जाती है। शासन स्तर से साफ तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रहे।

योजना का लाभ पाने के लिए मुख्य शर्तें-इस योजना का लाभ लेने के लिए सरकार ने कुछ जरूरी पात्रता शर्तें तय की हैं, जिनका पालन करना जरूरी है। योजना के तहत लाभ पाने के लिए सबसे पहले लाभार्थी परिवार का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना जरूरी है। साथ ही परिवार की वार्षिक आय अधिकतम 3 लाख रुपये तक निर्धारित की गई है। इससे अधिक आय वाले परिवार इस योजना के पात्र नहीं माने जाएंगे। एक परिवार की अधिकतम दो ही बच्चियों को ही इस योजना का लाभ मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग

पुणे। पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग हुई। रात 10:30 बजे हुई इस घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसके कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन करीब 11 घंटे तक प्रभावित रहा। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने बताया कि IAF के विमान को सुबह करीब 5.45 बजे रनवे से हटा दिया गया था। लेकिन नोटम का टाइम बढ़ाकर सुबह 9 बजे कर दिया गया था। हालांकि फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। IAF ने X पर बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। रनवे की मरम्मत के बाद उसे फ्लाइट्स के लिए फिट घोषित कर दिया गया। दिन भर में ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक रनवे बंद रहने के दौरान 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं। जबकि 12 फ्लाइट्स को डाइवर्ट कर दिया गया। इनमें इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 10 फ्लाइट्स शामिल थीं। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग 22:25 बजे लड़ाकू विमान लैंडिंग करने वाला था। इस दौरान उसका 'अंडरकैरेज' (लैंडिंग गियर यानी पहियों के नीचे का हिस्सा) खराब हो गया था, जिसके कारण वह रनवे पर टकरा गया। इससे रनवे ब्लॉक हो गया था। SATCO IAF के अनुसार विमान वहीं फंस गया था। विमान की स्थिति और उसमें हुई क्षति को देखते हुए, रनवे को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए सुबह 5.30 बजे तक के लिए, एक NOTAM जारी किया गया था। बाद में यह समय बढ़ाकर सुबह 9 बजे तक कर दिया गया। हालांकि यह कौन सा फाइटर जेट था, इसके बारे में अथॉरिटीज ने कोई जानकारी नहीं दी है। न ही इसके विजुअल मिल सके।

यूपी का बांदा एशिया में सबसे गर्म, पारा 45.4° पहुंचा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश के लगभग सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के बांदा में शुक्रवार को तापमान 45.4°C दर्ज हुआ, जो इस सीजन में अब तक एशिया में सबसे ज्यादा तापमान है। दिलचस्प बात यह है कि एक हफ्ते पहले, यानी 9-10 अप्रैल को देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम 12°C तापमान भी बांदा में ही दर्ज हुआ था। इधर, आज से अगले 4 दिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में लू चलने की आशंका है।

यूपी के 16 जिलों में तापमान 40°C से ज्यादा रहा, जिससे हीटवेव चली। प्रयागराज, वाराणसी समेत 50 शहरों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा के कई जिलों में तापमान 43°C के पार पहुंच गया है। MP के 13 जिलों में स्कूलों का टाइम बदला गया है। छत्तीसगढ़ के अलावा ओडिशा के बोलांगीर, सुबर्णपुर और कालाहांडी जिलों में 21 अप्रैल तक सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में शुक्रवार को बारिश ने थोड़ी राहत दी है। फिर भी इन राज्यों में पारा 40°C के ऊपर रहा।

कुल्लू में गाड़ी पर गिरीं बड़ी-बड़ी चट्टानें, ड्राइवर ने भागकर बचाई जान, बारिश से लैंडस्लाइड

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में आज सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, जिससे गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिर गईं। बता दें कि, प्रदेश में अप्रैल में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इससे कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। बीती रात में भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सलापड़ में सबसे ज्यादा 21.0 मिमी, सलूणी 18.3 मिमी, कुकुमसैरी 14.4, सांगला 7.8, कल्पा 5.2, सराहन 3.0, भरमौर 2.0, सियोबाग 1.8 और जोगेंद्रनगर में 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग (IMD) की माने तो राज्य के कई भागों में शनिवार और रविवार भी बारिश जारी रहने के आसार है। IMD ने चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में बारिश के साथ तेज हवाएं और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्का हिमपात हो सकता है, जबकि निचले और मध्यम क्षेत्रों में बारिश के आसार हैं। इस दौरान कुछेक क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफान और ओलावृष्टि का भी पूर्वानुमान है।

राजस्थान का युवक स्लीपर सेल, आगजनी का मास्टरमाइंड

जैसलमेर। राजस्थान-पाकिस्तान बॉर्डर से सिक्योरिटी एजेंसियों ने एक स्लीपर सेल को पकड़ा है। आरोपी विदेशी आकाओं के ऑर्डर से कई देश विरोधी एक्टिविटी कर रहा था। मार्च और अप्रैल में उत्तर प्रदेश में गाड़ियां जलाने जैसी घटनाएं भी इसी के उकसावे पर हुईं। एजेंसियों को शक है कि किसी बड़ी साजिश की प्लानिंग कर रहा था। आरोपी राजूराम गोदारा उर्फ सैयद (29) को 24 मार्च की रात भारत-पाक सीमा के पास भारेवाला इलाके से संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर हिरासत में लिया गया था। अब उसने कई चौंकने वाले खुलासे किए हैं। जैसलमेर के नाचना थाना क्षेत्र का राजूराम खेती करता है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि वो किसी भी दूसरे स्लीपर सेल की तरह सामान्य तरीके से रहता है। उसे मार्च में उत्तर प्रदेश की एजेंसियों के इनपुट के आधार पर पकड़ा था। जांच में सामने आया कि वो टेलीग्राम के जरिए चल रहे नेटवर्क का मास्टरमाइंड और डिजिटल कंट्रोलर है। आरोप है कि वह जैसलमेर में बैठकर यूपी में सक्रिय युवाओं को निर्देश दे रहा था। इस मामले में UAPA के तहत कार्रवाई करते हुए नेशनल इंवेस्टिगेटिव एजेंसी (NIA) और ATS भी जांच में शामिल है। शुरुआत में राजूराम खुद को 'सैयद' बताता रहा। यूपी में पकड़े गए अन्य आरोपियों ने भी उसका नाम सैयद बताया था। लगातार पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि वो राजूराम है। वह पहचान छुपाकर देश के दूसरे हिस्सों में उसके संपर्क के लोगों को ऑर्डर देता था। राजूराम की गिरफ्तारी के बाद NIA सहित दूसरी एजेंसियां पर भी सक्रिय हो गई हैं।

कोयला घोटाला मामला : आईएएस समीर विश्नोई की नौ अवैध अचल सम्पत्तियों को कुर्क करने का आदेश

रायपुर। कोयला घोटाले के प्रमुख आरोपित आईएएस समीर विश्नोई की नौ अवैध अचल सम्पत्तियों को विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रायपुर ने कुर्क करने का आदेश जारी किया है। कुर्क की गई इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत 15 से 20 करोड़ रुपये के बीच बतायी जा रही है। एसीबी के अधिकारी ने बताया कि कोयला घोटाले के प्रमुख आरोपित 2018 में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समीर विश्नोई के विरूद्ध राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने अपराध क्रमांक 23/2024 धारा 13 (1) बी, 13 (2) पीसीएक्ट 1988 यथा संशोधित के तहत आय से अधिक सम्पत्ति का मामला पंजीबद्ध किया गया है। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) की जांच में कोयला घोटाले के प्रमुख आरोपित आईएएस समीर विश्नोई की लगभग 4 करोड़ रुपये मूल्य की 9 अवैध अचल सम्पत्तियों का पता चला। इस पर पेश आवेदन पर विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, रायपुर के संपत्ति को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। एसीबी के अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि समीर विश्नोई ने अपने परिवार के सदस्यों एवं विभिन्न फर्मों के नाम पर करोड़ों रुपये की अवैध अचल सम्पत्ति अर्जित की है। कोयला घोटाले की चल रही जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने समीर विश्नोई की 5 अचल सम्पत्तियों को अटैच किया था। लेकिन जांच के दौरान 9 अतिरिक्त अवैध अचल सम्पत्तियों का पता चला, जिसे कुर्क करने के लिए विशेष अदालत में ईओडब्ल्यू की ओर से आदेवन दिया गया था। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 15 से 20 करोड़ रुपये के बीच है। विशेष न्यायालय के संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश के साथ ही समीर विश्नोई द्वारा अर्जित की गई अचल सम्पत्तियों की बिक्री पर पूर्णतः रोक लग गई है। इसके पूर्व सौम्या चौरसिया के अवैध अचल सम्पत्तियों की भी कुर्की की कार्रवाई न्यायालय के आदेश से कराई गई है।

अफ्रीका का चक्कर लगाकर मिडिल ईस्ट जा रहा अमेरिकी वॉरशिप

हूती विद्रोहियों के हमलों से डरकर रास्ता बदला, 6000 नाविक और 3 डेस्ट्रॉयर भी साथ

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

समुद्र में दुनिया के सबसे ताकतवर जंगी जहाजों में शामिल अमेरिका का विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर USS जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश सीधा रास्ता छोड़कर लंबा चक्कर लगा रहा है। यह जहाज अब डेढ़ गुना ज्यादा दूरी तय करते हुए अफ्रीका का पूरा चक्कर लगाकर ईरान के करीब पहुंच रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रेड सी का रास्ता हूती विद्रोहियों के खतरे से भरा है। जिससे बचने के लिए यह अमेरिकी सुपरकैरियर लंबा रास्ता लेने को मजबूर है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी कैरियर जिब्राल्टर, भूमध्य सागर और स्वेज नहर होते हुए रेड सी से गुजरते हैं। लेकिन इस बार अमेरिकी नौसेना ने यह रास्ता नहीं चुना है। इस कैरियर के साथ तीन डेस्ट्रॉयर और करीब 6,000 नाविक हैं। दो अमेरिकी अधिकारियों ने AP को बताया कि यह स्ट्राइक ग्रुप मिडिल ईस्ट तैनाती के लिए रवाना हुआ है।

यमन के हूती विद्रोहियों से डरा अमेरिकाः इस सबसे ताकतवर माने जाने अमेरिकी जहाज का इतना लंबा रूट लेना कोई आम बात नहीं है। पेंटागन ने आधिकारिक तौर पर वजह नहीं बताई है, लेकिन संकेत साफ हैं कि अफ्रीका का रास्ता लेने से यह जहाज लाल सागर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से बच रहा है। हाल के सालों में इस इलाके को यमन के हूती विद्रोही ने असुरक्षित बना दिया है।

इन हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन है और पहले भी वे लाल सागर और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट जैसे अहम समुद्री रास्तों पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर चुके हैं। यही वजह है कि दुनिया की सबसे ताकतवर नौसेना भी अब उस रास्ते से जाने से बच रही है। 2024 और 2025 में हूती हमलों में अमेरिकी और व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया गया था। हाल के महीनों में भी उन्होंने हमले फिर शुरू करने की धमकी दी है, जिससे यह इलाका असुरक्षित बना हुआ है।

बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से बच रहा है अमेरिकी जहाजः बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में गिना जाता है। यह रेड सी को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और हर साल करीब 20 हजार जहाज यहां से गुजरते हैं। वैश्विक व्यापार का लगभग 10% इसी रास्ते से होता है, खासकर तेल और गैस की सप्लाई के लिए यह बेहद जरूरी है। यह रास्ता भौगोलिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण है। इसकी सबसे संकरी जगह करीब 32 किलोमीटर चौड़ी है और यह दो हिस्सों में बंटा है। एक गहरा और चौड़ा रास्ता, पश्चिमी डक्ट-एल-मयून चैनल करीब 16 मील चौड़ा है जहां बड़े जहाज चलते हैं। दूसरा संकरा रास्ता पूर्वी चैनल बाब इस्कंदर करीब दो मील चौड़ा है जिसका इस्तेमाल छोटे जहाज करते हैं। पहले यहां खतरा प्राकृतिक कारणों जैसे चट्टानों और तेज हवाओं से था, लेकिन अब सबसे बड़ा खतरा बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से बन गया है।

होर्मुज स्ट्रेट ईरान के कड़े नियंत्रण में : ईरानी सैन्य प्रवक्ता

एजेंसी, तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (होर्मुज स्ट्रेट) को लेकर कहा है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर उसके सशस्त्र बलों का सख्त नियंत्रण बना हुआ है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को गुजरने की अनुमति देने की बात कही है। इसके साथ ही अमेरिका पर अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करते हुए समुद्री गतिविधियों में दखल देने का आरोप लगाया।

ईरान की संवाद समिति तसनीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सैन्य कमान मुख्यालय 'खातम अल-अंबिया' के प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि जब तक ईरान के जहाजों की आवाजाही पर लगे प्रतिबंध नहीं हटाए जाते, तब तक यह रणनीतिक जलमार्ग कड़े नियंत्रण में ही रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरानी सशस्त्र बलों का कड़ा नियंत्रण है और यह अपनी पिछली परिचालन स्थिति में ही रहेगा।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सद्भावना के साथ की गई बातचीत के दौरान बनी पिछली सहमतियों के अनुरूप ईरान ने सीमित संख्या में तेल टैंकरों और वाणिज्यिक जहाजों को एक व्यवस्थित तरीके से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुज़रने की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताओं का बार-बार उल्लंघन करने के कारण जिसे वह नाकेबंदी कहता है, उसके बहाने उसकी "समुद्री लूट एवं डकैती" की हरकतें जारी हैं। इसके परिणामस्वरूप होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण उसकी पिछली स्थिति में वापस आ गया है और यह रणनीतिक जलमार्ग सशस्त्र बलों के कड़े प्रबंधन और नियंत्रण में है।

प्रवक्ता ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान से जहाजों की मुक्त आवाजाही पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त नहीं कर देता, तब तक होर्मुज की स्थिति कड़े नियंत्रण में रहेगी।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक राजपत्र में प्रकाशित, पुराना कानून निष्प्रभावी

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में जबरन और प्रलोभन से धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए 19 मार्च को विधान सभा में पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक अब कानून बन गया है। विधेयक पर 6 अप्रैल को राज्यपाल रमेन डेका के हस्ताक्षर बाद आज, 18 अप्रैल 2026 को इसे राज्य के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है। इस नए कानून के लागू होने के साथ ही राज्य में 1968 से प्रभावी पुराना कानून निष्प्रभावी हो गया है। राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही राज्य में नया कानून लागू हो गया है, जिससे धर्मांतरण से जुड़े मामलों में सख्ती बढ़ गई है। इससे पहले प्रदेश में 1968 का कानून लागू था, जिसे अब नए प्रावधानों से प्रतिस्थापित किया गया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा में 19 मार्च को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 को विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श के बाद पारित किया गया था। विधेयक का उद्देश्य राज्य में धर्मांतरण से संबंधित गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना और नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा सुनिश्चित करना है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र
(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विधेयक के संबंध में कहा था कि वर्ष 1968 से लागू प्रावधान वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त नहीं रह गए थे। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में धर्मांतरण से जुड़े विवादों के कारण सामाजिक तनाव और वर्ग संघर्ष की स्थितियां बनीं, जो कई बार प्रशासन और न्यायालय तक पहुंचीं. ऐसे परिदृश्य में एक स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की गई।

महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से 4 संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

पुलिस ने बताया- खिलौने में बम लगाकर हमले की तैयारी में थे, राम मंदिर, संसद निशाने पर थे

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से IED और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है। आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में IED फिट करने की तैयारी में थे। जांच में यह भी सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। एजेंसियों के अनुसार, इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी।

सोशल मीडिया के जरिए और लोगों को जोड़ने की साजिश थीः पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे। इन ग्रुप्स में जिहाद, हथियार और कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा कंटेंट शेयर किया जाता था। इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए नए लोगों को जोड़ने और प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, एक आरोपी ने रेड फोर्ट की एडिटेड तस्वीर शेयर की थी, जिसमें काला झंडा लगाया गया था। इसके जरिए आरोपी लोगों को भड़काना चाहते थे।

आरोपियों में कोई ऑटो इलेक्ट्रीशियन, तो कोई प्लंबरः पुलिस का कहना है कि चारों आरोपी साधारण बैकग्राउंड से आते हैं। मोसाइब अहमद पहले खाड़ी देशों में ऑटो इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम कर चुका है और उसी तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल IED बनाने में कर रहा था। मोहम्मद हम्माद मुंबई का रहने वाला है और 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। उसने जनवरी 2026 में एक बंद ग्रुप जॉइन किया था, जहां IED बनाने के लिए जरूरी सामान जैसे बॉल बेयरिंग, कील और खिलौना कार की तस्वीरें साझा की थीं। वहीं, शेख इमरान ओडिशा के भुवनेश्वर का रहने वाला है। उसे 11 अप्रैल को उसके किराए के कमरे से गिरफ्तार किया गया था। उसने 2024 में कुछ धार्मिक प्रवचन सुनने शुरू किए थे, जिसके बाद उसके विचार कट्टर होते गए। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक ग्रुप बनाया। इसके बाद हथियार और ट्रेनिंग की व्यवस्था करने की बात कही। मोहम्मद सोहेल बिहार के कटिहार का रहने वाला है और पेशे से प्लंबर है। पुलिस के अनुसार उसने सोशल मीडिया पर युवाओं को भड़काने का काम किया और फंड जुटाने के लिए बैंक अकाउंट और QR कोड भी शेयर किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। इनकी जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क, उनके साथियों और संभावित लिंक का पता लगाया जा सके। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है।

टीसीएस नासिक केस- आरोपी निदा खान फरार

एजेंसी, मुंबई

♦ फोन बंद, घर पर ताला, कंपनी बोली- किसी भी पीड़ित ने लिखित शिकायत नहीं की

नासिक के TCS ऑफिस में धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी निदा खान 8 दिन से फरार है। पुलिस के मुताबिक, उसे ढूंढने के लिए तीन अलग-अलग टीमें बनाई गईं हैं। निदा के पति को शुक्रवार को पूछताछ के लिए मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया। पति ने बताया था कि निदा एक रिश्तेदार के घर पर रुकी हुई है, लेकिन जब अधिकारी वहां पहुंचे तो घर पर ताला लगा हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपी और उसके रिश्तेदारों दोनों के मोबाइल फोन भी बंद हैं। उधर TCS कंपनी ने भी इंटरनल जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने बताया कि किसी भी पीड़ित ने कंपनी की POSH (प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट) पॉलिसी के तहत कभी कोई लिखित शिकायत नहीं की। पुलिस ने इस मामले में अब तक 8 लोगों के खिलाफ 9 FIR दर्ज की गई है। 7 लोगों को गिरफ्तार कर किया है।

परिवार का दावा- निदा फरार नहीं, प्रेग्नेंट हैः इस बीच फरार आरोपी निदा खान ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। निदा के पिता ने कहा कि उनकी बेटी के खिलाफ साजिश हुई है। यह मामला नासिक के बाबा अशोक खरात से जुड़े विवाद को दबाने के लिए खड़ा किया गया है। निदा ने शिकायत करने वाली महिला से कभी बात तक नहीं की और न ही किसी को धर्म परिवर्तन के लिए कहा। उनका परिवार सभी धर्मों का सम्मान करता है। परिवार ने बताया कि निदा इस समय गर्भवती है और भिवंडी स्थित अपने ससुराल में रह रही हैं।

निदा खान सस्पेंड, कंपनी ने गंभीर मामला बतायाः TCS ने 9 अप्रैल को निदा को सस्पेंड कर दिया था। सस्पेंड में कहा गया कि उनके खिलाफ गंभीर मामला सामने आया है। कंपनी ने उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया है। सभी कंपनी एसेट्स लौटाने के निर्देश दिए हैं। निदा खान ने दिसंबर 2021 में कंपनी जॉइन की थी। वह प्रोसेस एसोसिएट के पद पर काम कर रही थीं।

नासिक TCS केस में 4 सदस्यीय जांच पैनलः चार सदस्यीय जांच समिति ने जांच शुरू कर दी है। वकील मोनिका अरोड़ा ने शनिवार को ANI से कहा कि पैनल सभी पक्षों से बात करेगा और उसके बाद रिपोर्ट तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि अभी कोई निष्कर्ष देना संभव नहीं है। सभीसे बातचीत के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर सिफारिश और रिपोर्ट बनाई जाएगी। यह समिति चार सदस्यों की है, जिसमें एक रिटायर्ड जज, एक पूर्व IPS अधिकारी, एक वकील और NCW का कोऑर्डिनेटर शामिल है।

राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला

एजेंसी, लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद FIR दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा। उन्होंने पुराने केसों की स्टडी में पाया कि ऐसे मामलों में नोटिस भेजना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। यह याचिका कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने दायर की थी। उन्होंने राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप लगाते हुए विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम आदि में केस दर्ज होने की मांग की है।

महिलाओं पर हुए अत्याचार मामलों की गहन छानबीन आवश्यक: देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को गृह विभाग के अधिकारियों को महिलाओं पर हुए अत्याचार मामलों की गहन छानबीन कर ठोस सबूत जुटाने का निर्देश दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित महिलाओं में सरकार और पुलिस के प्रति विश्वास जागृत करने की जरुरत पर भी जोर दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री सचिवालय ने दी है।

मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार देवेंद्र फडणवीस ने आज मंत्रालय में गृह विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसमें मुख्यमंत्री ने नासिक धर्मांतरण मामले, अशोक खरात का मामला, अमरावती में अश्लील वीडियो मामलों सहित कई संवेदनशील जाँचों की प्रगति का जायज़ा लिया। इस बैठक में पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), एसआईटी प्रमुख और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी थे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि इस समय महाराष्ट्र में महिला अत्याचार के कई मामलों की जांच चल रही है। इस जांच के दौरान पीड़ितों में विश्वास जगाने की ज़रूरत है। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी दोषी पाए जाएँ, उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। एक मज़बूत अभियोजन पक्ष तैयार करने के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों को ठोस और विश्वसनीय सबूत इकट्ठा करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया, ताकि मामला अदालत में मज़बूती से टिक सके। उन्होंने कहा कि निर्णायक सबूतों के माध्यम से अपराध को साबित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि धार्मिक धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नासिक पुलिस द्वारा स्वतंत्र रूप से इस मामले का पर्दाफ़ाश करने के लिए उनकी सराहना करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि अब इस जाँच को उतनी ही गंभीरता और सख्ती से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

महिला आरक्षण विधेयक पारित न होना सरकार की विफलता नहीं: किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि इसे सरकार की विफलता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके असहयोग के कारण यह महत्वपूर्ण विधेयक पास नहीं हो सका। बजट सत्र के समापन के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में रिजिजू ने कहा कि यह देश की महिलाओं के साथ "बड़ा अन्याय" है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे को विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका, जबकि सरकार इसे पास कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थी।

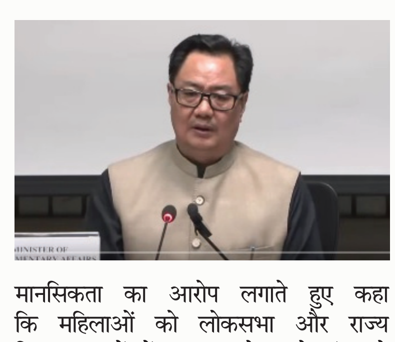

रिजिजू ने कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में आरक्षण देना लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक आवश्यक कदम था। इस विधेयक का विरोध करना महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और सशक्तिकरण के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं इस पूरे घटनाक्रम को समझ रही हैं और समय आने पर इसका जवाब देंगी। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को अपने इस रुख के कारण महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को अधिकार देना कैसे असंवैधानिक या अलोकतांत्रिक हो सकता है, यह समझ से परे है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे संवाद की बजाय केवल औपचारिकता निभाते हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग करने से बचते हैं।

बजट सत्र के बारे में बोलते हुए रिजिजू ने इसे समग्र रूप से सफल बताया। उन्होंने कहा कि अधिकांश सरकारी कामकाज सुचारू रूप से पूरा हुआ, हालांकि महिला आरक्षण विधेयक का पारित न होना एक महत्वपूर्ण कमी रही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। रिजिजू ने दोहराया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए आगे भी प्रयास जारी रखेगी और भविष्य में इस विधेयक को पारित कराने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसे किसी भी कीमत पर आगे बढ़ाया जाएगा।

संसद का रणःमहिला आरक्षण- सरकार का मास्टरस्ट्रोक रूल 66 की सियासी शतरंज-विपक्ष को धर्मसंकट में डालने की रणनीति -विपक्ष की दुविधाःआगे कुआं,पीछे खाई-भारतीय संसद पर टिकी वैश्विक निगाहें

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की संसद में चल रहा 16 से 18 अप्रैल 2026भारतीय संसद का विशेष सत्र केवल एक सामान्य विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति के गहरे रणनीतिक, संवैधानिक और वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बन गया।वर्तमान घटनाक्रम केवल एक घरेलू राजनीतिक विवाद नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं,संवैधानिक व्याख्याओं और राजनीतिक रणनीति का ऐसा संगम बन गया है, जिसपर पूरी दुनियाँ की निगाहें टिकी हुई हैं।विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार द्वारा तीन महत्वपूर्ण विधेयकों महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम), परिसीमन (डेलिमिटेशन) और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े संशोधन को एक साथ पेश करना और फिर 16 अप्रैल 2026 को देर रात्रि रूल 66 को निलंबित करने का कदम भारतीय संसदीय इतिहास में एक असाधारण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।इसपर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया, संसदीय नियमों का प्रयोग और रूल 66 का निलंबन इन सभी ने इस पूरे घटनाक्रम को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया।यह घटनाक्रम केवल कानून बनाने की प्रक्रिया नहीं है,बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच रणनीतिक टकराव,राजनीतिक गणित, और संवैधानिक व्याख्याओं का एक जटिल खेल बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि सरकार ने जिन तीन विधेयकों को एक साथ पेश किया है, वे अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण हैं। पहला, नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून), जो संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करता है।दूसरा, परिसीमन विधेयक, जो लोकसभा और विधानसभा सीटों के पुनर्निर्धारण से जुड़ा है। तीसरा, केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित संशोधन विधेयक, जो प्रशासनिक और प्रतिनिधित्व संरचना को प्रभावित करता है।इन तीनों विधेयकों का एक साथ प्रस्तुत होना संयोग नहीं,बल्कि एक सुविचारित रणनीति प्रतीत होता है। सरकार का दावा है कि यह व्यापक सुधार का हिस्सा है, जबकि विपक्ष इसे राजनीतिक पैकेजिंग कह रहा है। साथियों बात अगर हम रूल 66 क्या है और क्यों बना विवाद का केंद्र? इसको समझने की करेंतो लोकसभा की कार्यप्रणाली में रूल 66 एक तकनीकी लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण प्रावधान है। यह नियम उन परिस्थितियों में लागू होता है, जब एक विधेयक दूसरे विधेयक पर निर्भर होता है। यदि आश्रित विधेयक पारित नहीं होता, तो मूल विधेयक भी निष्प्रभावी हो सकता है।सरकार ने इसी नियम को निलंबित करने का प्रस्ताव लाकर पूरे खेल की दिशा बदल दी सामान्यतःप्रत्येक विधेयक पर अलग- अलग चर्चा और मतदान होता है, जिससे सांसद अपनी स्वतंत्र राय दे सकते हैं। लेकिन 'रूल 66' के निलंबन के बाद यह बाध्यता समाप्त हो जाती है।इसका सीधा अर्थ यह है कि अब तीनों विधेयकों को एक साथ, एक ही प्रस्ताव के रूप में पारित कराया जा सकता।

साथियों बात अगर हम सरकार का मास्टरस्ट्रोकः संयुक्त मतदान की रणनीति को समझने की करें तो सरकार ने जिस रणनीति का उपयोग किया है,उसेराजनीतिक विश्लेषक मास्टरस्ट्रोक कह रहे हैं।तीनों विधेयकों को एक ही प्रस्ताव में जोड़कर सरकार ने विपक्ष के लिए विकल्पों को सीमित कर दिया है।अब विपक्ष के सामने केवल दो ही रास्ते हैं,या तो तीनों विधेयकों के पक्ष में वोटकरें या तीनों के खिलाफ।यह रणनीति विपक्ष को एक धर्मसंकट में डालती है।यदि विपक्ष परिसीमन का विरोध करता है,तो उसे महिला आरक्षण के खिलाफ भी वोट देना पड़ेगा। और यदि वह महिला आरक्षण का समर्थन करता है, तो परिसीमन भी सटीक रूप से ही स्वतःपारित हो जाएगा।

साथियों बात अगर हम विपक्ष की दुविधाः आगे कुआं, पीछे खाई इसको समझने की करें तो,विपक्ष,विशेष रूप से इंडिया गठबंधन,इस स्थिति में फंस गया है जहां हर विकल्प राजनीतिक नुकसान की ओर ले जाता है।विपक्ष का रुख स्पष्ट है कि वह महिला आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन परिसीमन को लेकर गंभीर आपत्तियां हैं,खासकर दक्षिण भारत के राज्यों के संदर्भ में।विपक्ष का तर्क है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने से दक्षिणभारत के राज्यों को नुकसान होगा, क्योंकि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है।ऐसे में सीटों का पुनर्वितरण उन्हें कम प्रतिनिधित्व की ओर ले जा सकता है। अब रूल 66 कैंसिल करने से विपक्ष को तीनों विधायकों को एक साथ मतदान करना पड़ेगा अगर वह यस में बदनाम करते हैं तो परिसीमन बिल भी पास होगा ना में मतदान करते हैं तो महिला आरक्षण का अपने आप ही विरोध होगा।

साथियों बात अगर हम संख्या बल का गणितः सरकार के सामने चुनौती इसको समझने की करें तो, संविधान संशोधन विधेयकों को पारित करने के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है यानी उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई समर्थन। लोकसभा में कुल 540 सीटें हैं, जिनमें से 3 खाली हैं। ऐसे में 360 वोटों की जरूरत होती है।एनडीए के पास लगभग 293 सांसद हैं, जो आवश्यक संख्या से काफी कम है। इस स्थिति में सरकार को या तो विपक्ष के कुछ सांसदों का समर्थन चाहिए या फिर अनुपस्थित रहने वाले सांसदों की संख्या बढ़ानी होगी, ताकि आवश्यक बहुमत का आंकड़ा कम हो सके।

साथियों बात अगर हम अधिसूचना विवादः कानून लागू या बचाने की कोशिश? इसको समझने की करें तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे विवादास्पद पहलू है 16 अप्रैल 2026 को जारी की गई अधिसूचना, जिसके तहत 2023 में पारित संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम को लागू करने की तारीख तय की गई।यह अधिसूचना ऐसे समय पर जारी की गई,जब संसद में उसी कानून में संशोधन पर बहस चल रही थी। विपक्ष ने इसे आधी रात का फैसला और हताशापूर्ण प्रयास करार दिया है।कांग्रेस नेता ने इस कदम पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि कोई कानून संशोधन के अधीन है, तो उसे बिना नए विधायी समर्थन के लागू करना संवैधानिक रूप से संदिग्ध है।उन्होंने 'रूल 66' का हवाला देते हुए कहा कि यदि आश्रित विधेयक पारित नहीं होता, तो मूल कानून भी निष्प्रभावी हो सकता है। ऐसे में नियम को निलंबित कर अधिसूचना जारी करना कानून को "बचाने" का प्रयास प्रतीत होता है।

साथियों बात अगर हम टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का 17 अप्रैल 2026 को संसद में अपने विचारों के दौरान शाब्दिक हमलाःचैरिटी बिगन्स एट होम इसको समझने की करें तो तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि महिला आरक्षण की बात करने से पहले भाजपा को अपने संगठन और सरकार में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चाहिए।उन्होंने 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए यह भी कहा कि मंत्रिमंडल और यहां तक कि प्रधानमंत्री पद भी रोटेशन के आधार पर महिलाओं को दिया जाना चाहिए। उनके इस बयान ने सदन में तीखी बहस और हंगामा पैदा कर दिया।

साथियों बात अगर हम परिसीमन विवादः उत्तर बनाम दक्षिण का नया विमर्श इसको समझने की करें तो परिसीमन का मुद्दा भारत में लंबे समय से संवेदनशील रहा है। 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण स्थगित किया गया था, ताकि जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहन मिल सके।अब जब परिसीमन की बात फिर उठी है, तो दक्षिण भारत के राज्यों को डर है कि उनकी सीटें कम हो सकती हैं, जबकि उत्तर भारत के राज्यों को लाभ मिल सकता है। यह विवाद क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के नए सवाल खड़े करता है।

साथियों बात अगर हम लोकतंत्र बनाम रणनीतिः क्या यह उचित है? इसको समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, क्या संसदीय नियमों का इस तरह उपयोग (या दुरुपयोग) लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है?सरकार का तर्क है कि वह सुधारों को तेज़ी से लागू करना चाहती है और तकनीकी बाधाओं को हटाना आवश्यक है। वहीं विपक्ष का कहना है कि यह संसदीय प्रक्रिया को कमजोर करने और बहस को सीमित करने का सटीक रूप से प्रयास है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को वैश्विक परिप्रेक्ष्यः भारत की लोकतांत्रिक छवि पर असर इसको समझने की करें तो,भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। ऐसे में संसद में होने वाली हर बड़ी घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनती है। यदि यह घटनाक्रम पारदर्शिता, बहस और सहमति के बिना आगे बढ़ता है, तो यह भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित कर सकता है। वहीं,यदि सरकार सफलतापूर्वक इन सुधारों को लागू कर देती है, तो यह निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण भी बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि सियासी शतरंज का निर्णायक मोड़,संसद में चल रहा यह संघर्ष केवल तीन विधेयकों का नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली,संवैधानिकमर्यादाओं और राजनीतिक रणनीति का परीक्षण है। रूल 66 का निलंबन, संयुक्त मतदान, अधिसूचना का समय ये सभी कदम एक जटिल राजनीतिक शतरंज के हिस्से हैं,जहां हर चाल का दूरगामी प्रभाव है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह रणनीति सरकार के लिए जीत का रास्ता बनती है या विपक्ष इसे लोकतांत्रिक मुद्दा बनाकर राजनीतिक लाभ उठाता है। लेकिन इतना तय है कि यह घटनाक्रम भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

नफरत, युद्ध और कराहती मानवताः क्या दुनिया फिर एक खतरनाक मोड़ पर?

लेखकः वरिष्ठ पत्रकार नरेश कुमार सागर

आज का वैश्विक परिदृश्य गहरी चिंता का विषय बन चुका है। Russia–Ukraine War, Israel–Hamas War और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को गंभीर चुनौती दी है। हालात भले ही अभी विश्व युद्ध की दहलीज पर न पहुँचे हों, लेकिन जिस तेजी से टकराव बढ़ रहे हैं, वह मानवता को एक अस्थिर और खतरनाक भविष्य की ओर संकेत जरूर करते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब केवल सीमाओं का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन का प्रतीक बन चुका है। इस युद्ध ने लाखों लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है—हजारों मौतें, करोड़ों का विस्थापन और बर्बाद होती अर्थव्यवस्था इसकी भयावह सच्चाई है। आर्थिक प्रतिबंधों के बीच रूस भी दबाव में है, जबकि यूक्रेन का बुनियादी ढांचा गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। मध्य पूर्व में Israel–Hamas War ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि युद्ध का सबसे बड़ा खामियाजा आम नागरिकों को ही भुगतना पड़ता है। हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के इस अंतहीन चक्र में हजारों निर्दोष लोग मारे गए हैं और लाखों बेघर हो चुके हैं। गाजा पट्टी आज एक गहरे मानवीय संकट का प्रतीक बन गई है। इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का कारण है। हालांकि इसे तत्काल "महायुद्ध" कहना अतिशयोक्ति होगी, लेकिन यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में छोटी-सी चूक बड़े संघर्ष को जन्म दे सकती है। ऐसे में कूटनीति और संवाद की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ने सदैव वैश्विक मंच पर संतुलन, संयम और संवाद की नीति का समर्थन किया है। यह दृष्टिकोण आज और भी प्रासंगिक हो गया है, जब दुनिया के कई हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि किसी भी युद्ध के पीछे जटिल राजनीतिक और सामरिक कारण होते हैं। NATO के विस्तार, सुरक्षा चिंताओं और क्षेत्रीय हितों ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को और जटिल बना दिया है। ऐसे में किसी एक पक्ष को पूरी तरह दोषी ठहराना समस्या का सरलीकरण होगा। इतिहास इस संदर्भ में स्पष्ट चेतावनी देता है। World War I और World War II ने दुनिया को जो घाव दिए, वे आज भी पूरी तरह भरे नहीं हैं। करोड़ों लोगों की जान गई और मानवता को गहरे आघात सहने पड़े। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व के शक्तिशाली राष्ट्र अपनी नीतियों में संयम और दूरदर्शिता का परिचय दें। युद्ध कभी स्थायी समाधान नहीं हो सकता; यह केवल विनाश, पीड़ा और पश्चाताप को जन्म देता है। सम्पादकीय दृष्टि से स्पष्ट है कि यदि मानवता को सुरक्षित रखना है, तो संवाद, कूटनीति और सहयोग को ही प्राथमिकता देनी होगी। नफरत और हिंसा का मार्ग अंततः केवल विनाश की ओर ले जाता है। निष्कर्षतः, विश्व एक नाजुक दौर से गुजर रहा है। यह समय टकराव को बढ़ाने का नहीं, बल्कि समझ और सहमति के पुल बनाने का है। मानवता को बचाने के लिए हथियारों की नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक की आवश्यकता है।

अक्षय तृतीया अखंडता का प्रतीक है

लेखक- कांतिलाल मांडोत

वैशाख शुक्ल तृतीया का पावन दिन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परम्परा में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। यह तिथि अक्षय तृतीया अथवा आखातीज के नाम से जानी जाती है। 'अक्षय' का अर्थ है जो कभी क्षीण न हो, जो सदा बना रहे। यही कारण है कि इस दिन किए गए पुण्य, दान, तप और शुभ कार्यों को अक्षय अर्थात् अविनाशी फल देने वाला माना गया है। यह तिथि केवल ज्योतिषीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। यह दिन अखण्डता, पवित्रता और निरन्तर प्रगति का प्रतीक है। अक्षय तृतीया का एक विशेष महत्त्व यह भी है कि यह तिथि कभी खंडित नहीं होती। अन्य तिथियों की भाँति इसमें घट-बढ़ नहीं होता, इसलिए इसे स्थिरता और अखण्डता का प्रतीक माना गया है। जीवन में भी यही संदेश निहित है कि जो व्यक्ति अखण्डता और एकरूपता के साथ जीवन जीता है, वही सफलता और संतोष प्राप्त करता है। विभाजित और अस्थिर जीवन व्यक्ति को निरन्तर संघर्ष और असंतोष की ओर ले जाता है, जबकि एकाग्रता और एकता जीवन को श्रेष्ठ बनाती है। इस पावन तिथि का गहरा सम्बन्ध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से है। भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को जीवन जीने की दिशा प्रदान की। उन्होंने असि, मसि और कृषि के माध्यम से मानव को सभ्यता और संस्कृति का मार्ग दिखाया। उनके द्वारा दी गई शिक्षाएँ आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। अक्षय तृतीया का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगवान ऋषभदेव ने अपनी दीर्घकालीन तपस्या का पारण किया था। भगवान ऋषभदेव की तपस्या अत्यन्त कठोर और अनुकरणीय थी। उन्होंने दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात् अखण्ड मौन और कठोर तप का पालन किया। उस समय समाज को श्रमण जीवन की विधियों का ज्ञान नहीं था, इसलिए उन्हें लंबे समय तक शुद्ध आहार प्राप्त नहीं हो सका। लोग श्रद्धा से उन्हें अनेक प्रकार के उपहार और धन अर्पित करते थे, किन्तु भगवान केवल निर्दोष आहार ही ग्रहण करते थे। परिणामस्वरूप वे निरंतर तप में लीन रहे और एक वर्ष से अधिक समय तक निराहार रहे। यह स्थिति तब परिवर्तित हुई जब हस्तिनापुर के युवराज श्रेयांसकुमार ने जातिस्मरण ज्ञान के माध्यम से भगवान की आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने पूर्ण श्रद्धा और पवित्र भावना से भगवान को इक्षु रस का दान दिया, जिससे भगवान की तपस्या का पारण सम्पन्न हुआ। यह घटना न केवल भगवान की तपस्या का पूर्णत्व थी, बल्कि संसार में दान की परम्परा का भी प्रारम्भ थी। इस प्रकार अक्षय तृतीया का दिन तप और दान दोनों की महानता का प्रतीक बन गया। तप का महत्त्व भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में अत्यधिक है। तप आत्मशुद्धि का साधन है, जो मनुष्य को उसके कर्मों के बन्धन से मुक्त करता है। तप के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की दुर्बलताओं को दूर करता है और आत्मबल को विकसित करता है। यह केवल शारीरिक कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शुद्धि का मार्ग है। तप ही वह साधन है जो व्यक्ति को उच्चतम आध्यात्मिक अवस्था तक पहुँचाता है। अक्षय तृतीया के अवसर पर आज भी अनेक साधक वर्षीतप करते हैं। वर्षीतप एक कठिन साधना है, जिसमें एक दिन उपवास और दूसरे दिन पारण का क्रम चलता है। यह तपस्या आत्मसंयम, धैर्य और श्रद्धा का अद्भुत उदाहरण है। ऐसे तपस्वियों का सम्मान और अनुमोदन करना भी एक प्रकार का तप माना गया है। समाज में तप की परम्परा को जीवित रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह जीवन में अनुशासन और पवित्रता का संचार करती है। दान का भी इस तिथि से विशेष सम्बन्ध है। श्रेयांसकुमार द्वारा किए गए प्रथम दान ने यह सिद्ध किया कि दान केवल वस्तु का नहीं, भावना का होता है। शुद्ध भावना से किया गया दान ही श्रेष्ठ होता है। दान समाज में समानता और सहयोग की भावना को बढ़ाता है। यह केवल दूसरों की सहायता नहीं, बल्कि स्वयं के आत्मिक विकास का भी माध्यम है। भारतीय संस्कृति में पर्व और त्यौहारों का विशेष महत्त्व है। यहाँ कहा जाता है कि भारत पर्वों का देश है, जहाँ हर दिन एक नया उत्सव लेकर आता है। ये पर्व जीवन में नवीनता और उत्साह का संचार करते हैं। कुछ पर्व केवल बाह्य उल्लास और मनोरंजन से जुड़े होते हैं, जबकि कुछ पर्व आत्मिक उन्नति और आध्यात्मिक जागरण का संदेश देते हैं। अक्षय तृतीया ऐसा ही एक पर्व है, जो त्याग, तप और दान की प्रेरणा देता है। इस तिथि को बिना मुहूर्त देखे शुभ कार्य करने की परम्परा भी प्रचलित है। विवाह, गृह प्रवेश, व्यापार आदि कार्य इस दिन विशेष रूप से किए जाते हैं, क्योंकि यह दिन स्वयं में शुभ माना जाता है।

सर्व समाज के आराध्य हैं भगवान परशुराम

लेखक- कपिल भार्गव (बौहरे)

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चलकर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतों के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म, जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे, जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशु पराक्रम का प्रतीक है। राम सत्य सनातन का पर्याय है। इस प्रकार परशुराम का अर्थ पराक्रम के कारक और सत्य के धारक हुआ। भगवान वासुदेव नारायण के छठवें अवतार परशुराम को शस्त्र एवं शास्त्र का प्रतीक माना जाता है। भगवान परशुराम का शस्त्र एवं शास्त्र पर समान रूप से अधिकार था, उनके जैसा पराक्रमी शायद ही कोई हुआ है। भगवान परशुराम माता रेणुका और ऋषि जमदग्नि के चौथे संतान थे। उन्हें भार्गव के नाम से भी पुकारा जाता है। परशुराम जी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिए प्रत्येक वर्ष अक्षय तृतीया के दिन परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाता है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष के तृतीया तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र के रात्रि प्रथम पहर में श्रेष्ठ ग्रहों से युक्त मिथुन राशि पर राहु के स्थित रहते मां रेणुका गर्भ से भगवान परशुराम का अवतरण हुआ था, जानकार बताते हैं कि इस तिथि को प्रदोष व्यापिनी के रूप में ग्रहण करना चाहिए क्योंकि भगवान परशुराम का प्राकट्य काल प्रदोष काल ही है। भगवान परशुराम का जन्म भगवान श्रीराम से पहले हुआ था, परशुराम भगवान विष्णु के छठवें अवतार थे जबकि श्रीराम सातवें। दोनों का मिलन मिथिला नरेश राजा जनक के द्वारा आयोजित स्वयंवर के दौरान शिव धनुष भंग प्रसंग में दिखता है। भगवान परशुराम का जीवन अन्याय, अत्याचार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष की एक अमर गाथा है। परशुराम जी का व्यक्तित्व भारतीय संस्कृति में शास्त्र और शस्त्र के अद्भुत समन्वय का परिचायक है। भगवान परशुराम के शौर्य का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके आगमन से ही आततियों के जेहन में भय व्याप्त हो जाता था एवं जनता निर्भय हो जाती थी। उन्हें किसी जातिगत खांचे में डालना सबसे बड़ी भूल होगी क्योंकि वे भले की किसी जाति में अवतार लिया हो लेकिन वे सामाजिक समता, मानव कल्याण और सर्व सुलभ न्याय के प्रतीक बिंदु हैं। इतिहास गवाह है कि जब–जब आसुरी शक्ति प्रबल होने से मानव समुदाय उनकी कुकर्मों, अनीतियों, अन्याय और अत्याचार से दुखी हुए तो स्वयं भगवान अवतरित होकर उन्हें कठोर दंड दिया। परशुराम जी के जीवन चरित्र पर नजर डालें तो पता चलता है कि उन्होंने अनेकों बार आसुरी शक्तिओं को निर्मूल किया। उनका शौर्य सूर्य की भांति तेज, सुमेरू पर्वत की तरह अडिग था। वे अपने मन की गति से कहीं भी आ जा सकते थे। उन्होंने अधर्मियों का नाश कर शाश्वत मानवीय मूल्य की स्थापना की साथ ही उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तपस्या और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। महेंद्र पर्वत पर उनका तप और ऋषि कश्यप को अपनी समस्त पृथ्वी दान कर देना उनके त्याग और निष्काम कर्म का सर्वोच्च उदाहरण है।

जानें कैसे कहलाये जमदाग्नि पुत्र परशुराम- बचपन में भगवान परशुराम का नाम राम था। बचपन में उनके माता–पिता उन्हें राम कहकर पुकारते थे। भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार कहा जाता है। जब वह बड़े हुए तो पिता ने उन्हें भगवान शिव की अराधना करने के लिए कहा। पिता की आज्ञा से भगवान शिव की तपस्या में लीन हो गये। उनकी घनघोर तपस्या से देवाधिदेव महादेव काफी प्रसन्न हुए और उन्हें आसुरी शक्ति को नाश कर धर्म की संस्थापना करने का आदेश दिया। इस दौरान भगवान शिव ने उन्हें परशु (फरसा) नामक शस्त्र दिया, यह परशु उन्हें बहुत प्रिय था तबसे उनके नाम के आगे परशु लग गया और वे परशुराम हो गये। उन्होंने अपने पराक्रम से असुरों का नाश किया। असुर जाति उनके नाम से ही भयभीत हो जाते थे।

कलियुग में कल्कि को शिक्षा देंगे परशुराम- भगवान परशुराम को शौर्य और पराक्रम का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि परशुराम जी अनादिकाल तक इस सृष्टि में विराजमान रहेंगे। उन्हें त्रेता युग के राम के काल में देखा और द्वापर युग के कृष्ण काल में भी। उन्होंने ही भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र उपलब्ध करवाया था। वे सृष्टि के अंत तक पृथ्वी पर तपस्यारत रहेंगे और कल्कि अवतार में कल्कि को भी शिक्षा देंगे। सनातनी पौराणिक कथाओं में उल्लेख है कि महेन्द्रगिरि पर्वत पर भगवान परशुराम की तप की जगह थी और अंतिम वे उसी पर्वत पर कल्पांत तक के लिए तपस्या के लिए चले गये थे।

युवाओं के लिए प्रेरणा- परशुराम जयंती युवाओं के लिए अनुशासन और धर्म का पालन करने का दिन है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए शौर्य का होना आवश्यक है, लेकिन उस शौर्य को धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। वे यह संदेश देते हैं कि धर्म की विजय निश्चित है।

सर्व समाज को संदेश- भगवान परशुराम एक चिरंजीवी (अमर) अवतार हैं। वे आज भी हमारे बीच न्याय की भावना के रूप में विद्यमान हैं। इस पावन अवसर पर हमें उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने और एक समतामूलक, न्यायप्रिय समाज के निर्माण की शपथ लेनी चाहिए। साथ ही भगवान परशुराम को किसी एक जाति में बाधना उचित नहीं है, क्योंकि वह किसी जाति विशेष के नहीं बल्कि सर्व समाज के आराध्य हैं। उन्होंने सर्व समाज को दिशा देने का काम किया था। उन्होने कहा कि भगवान परशुराम त्याग की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने बुराइयों का डटकर विरोध करते हुए एक संगठित समाज की स्थापना की।

अक्षय तृतीया पर्व ही नहीं, अर्थव्यवस्था का गतिशील चक्र

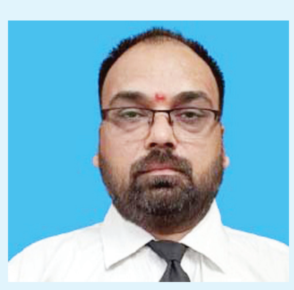

लेखक- सौरभ वार्ष्णेय

देश में अक्षय तृतीया पर्व आस्था ही नहीं अर्थव्यवस्था से जुड़ा पर्व है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी गति देते हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है अक्षय तृतीया, जिसे हिंदू और जैन परंपराओं में अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन बिना मुहूर्त के विवाह, गृह-प्रवेश, और विशेष रूप से सोना-चांदी खरीदने की परंपरा है। यही परंपरा इसे केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना देती है। अक्षय तृतीया के अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी में अचानक वृद्धि होती है। ज्वेलरी उद्योग, जो पहले से ही भारत में मजबूत है, इस दिन अपनी सालाना बिक्री का बड़ा हिस्सा अर्जित करता है। इससे न केवल आभूषण कारोबारियों को लाभ होता है, बल्कि खनन, आयात, परिवहन और रिटेल जैसे जुड़े हुए क्षेत्रों में भी गतिविधियां तेज हो जाती हैं। यह पर्व खासतौर पर ग्रामीण भारत में भी गहरी पैठ रखता है। किसान इस दिन को नई फसल, बीज बोने या कृषि निवेश के लिए शुभ मानते हैं। इससे कृषि क्षेत्र में नकदी का प्रवाह बढ़ता है और स्थानीय बाजारों में लेन-देन तेज होता है। अक्षय तृतीया पर सोने की खरीद को लोग निवेश के रूप में भी देखते हैं। भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में माना जाता है। इस प्रकार यह पर्व उपभोग और निवेश—दोनों को एक साथ बढ़ावा देता है, जो अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है। अब समय के साथ अक्षय तृतीया का स्वरूप भी बदल रहा है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और डिजिटल गोल्ड जैसी सुविधाओं ने इस पर्व को नई दिशा दी है। ऑनलाइन खरीदारी से बाजार का दायरा बढ़ा है और छोटे शहरों तक भी इसकी पहुंच आसान हो गई है। अक्षय तृतीया केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मिनी-इकोनॉमिक बूस्टर की तरह काम करता है। यह पर्व परंपरा और आधुनिकता के संगम के साथ मांग, निवेश और व्यापार को गति देता है। इसलिए अक्षय तृतीया को केवल पूजा और शुभ कार्यों तक सीमित करके देखना अधूरा होगा—यह वास्तव में देश की अर्थव्यवस्था के चक्र को गतिमान रखने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर है।

अर्थव्यवस्था का सुनहरा संगम- अक्षय अर्थात जो कभी क्षय न हो—यानी इस दिन किया गया पुण्य, दान या निवेश अनंत फलदायी माना जाता है। यही कारण है कि इस अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक-आर्थिक परंपरा भी बन चुकी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा मानी जाती है। सोना-चांदी, जो समृद्धि और स्थायित्व के प्रतीक हैं, इस दिन खरीदे जाएं तो घर में सुख-समृद्धि का स्थायी वास होता है—ऐसी जनमान्यता है। यही विश्वास पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता आया है और आज भी उतना ही प्रासंगिक है।लेकिन इस परंपरा का एक अहम आर्थिक पक्ष भी है। भारत जैसे देश में, जहां सोना केवल आभूषण नहीं बल्कि एक सुरक्षित निवेश का माध्यम भी है, अक्षय तृतीया जैसे अवसर बाजार में नई ऊर्जा भरते हैं। ज्वैलरी उद्योग, छोटे कारीगर, खुदरा व्यापारी—सभी के लिए यह दिन व्यापारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह मांग अर्थव्यवस्था के चक्र को गति देती है और उपभोग को बढ़ावा देती है।हालांकि, इस परंपरा के साथ कुछ सवाल भी जुड़े हैं। क्या हर व्यक्ति के लिए इस दिन सोना खरीदना आवश्यक है? क्या सामाजिक दबाव या दिखावे की भावना इस परंपरा को प्रभावित कर रही है? आज जरूरत इस बात की है कि हम परंपरा और विवेक के बीच संतुलन बनाएं। निवेश सोच-समझकर हो, न कि केवल परंपरा के दबाव में। अक्षय तृतीया हमें यह सिखाती है कि समृद्धि केवल धन-संपत्ति में नहीं, बल्कि संतुलित और विवेकपूर्ण जीवनशैली में निहित है। सोना-चांदी की खरीदारी इस दिन शुभ मानी जा सकती है, लेकिन असली अक्षयó वही है जो ज्ञान, संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में हमारे जीवन में स्थायी हो।

मल्टीप्लायर इफेक्ट अर्थव्यवस्था की गति तेज- भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को सदैव शुभ माना जाता है—ऐसा दिन जब बिना मुहूर्त देखे भी कोई भी नया काम शुरू किया जा सकता है। यही सांस्कृतिक विश्वास इसे सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बना देता है। इस दिन सोना-चांदी, वाहन, रियल एस्टेट और उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में तेज उछाल आता है। ज्वेलरी बाजार में तो यह पीक सीजन्न होता है। दुकानदार विशेष ऑफर, छूट और नई कलेक्शन लॉन्च करते हैं, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ता है और छोटे-बड़े कारोबारियों को सीधा लाभ मिलता है।अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक सुरक्षित निवेश विकल्प भी माना जाता है। लोग फिजिकल गोल्ड के साथ-साथ डिजिटल गोल्ड, गोल्ड श्वञ्जस्न और अन्य वित्तीय साधनों में भी निवेश करते हैं। इस तरह यह पर्व बचत को निवेश में बदलने की मानसिकता को मजबूत करता है—जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है। त्योहारों का सीधा संबंध उपभोग से होता है। नए कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गृह-सज्जा, वाहन—इन सभी की खरीदारी बढ़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी फसल कटाई के बाद यह समय खर्च बढ़ाने का होता है, जिससे मांग में व्यापक वृद्धि होती है। जब लोग खरीदारी करते हैं, तो सिर्फ एक सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी सप्लाई चेन सक्रिय हो जाती है—उत्पादन, लॉजिस्टिक्स, रिटेल, सर्विस सेक्टर सभी को फायदा मिलता है। यही मल्टीप्लायर इफेक्ट अर्थव्यवस्था की गति को तेज करता है।

अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता

● 8.21 मीटर छलांग लगाई ● नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन डिवीजन-आई खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय

अर्कांसस (एजेंसी)। भारतीय लॉन्ग जंपर लोकेश सत्यनाथन ने अमेरिका के अर्कांसस में आयोजित एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) डिवीजन-आई

चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लोकेश ने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपना पिछला इंडोर नेशनल रिकॉर्ड (8.01 मीटर) तोड़ा, बल्कि वे यह खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं।

केजीएफ के डायलॉग से मिलती है प्रेरणा – टेक्सास के टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी में हेल्थ साइंस की पढ़ाई कर रहे लोकेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को देते हैं। वे फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 के उस दृश्य को याद करते हैं जिसमें नायक अपनी मां से कहता है,यही तुम्हारा सपना था और अब मैं इसे जीतकर दिखाऊंगा।' लोकेश के मुताबिक, अपनी मां के त्याग और उनके शब्दों को याद करने पर आज भी उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हादसे में चेहरे पर आई थीं गंभीर चोटें, फिर भी नहीं हारी हिम्मत लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी। साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। चोटों, दर्द और करियर में आए उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने अपने पिता की ताकत और मां के विश्वास के दम पर मैदान पर वापसी की।

ऑल टाइम लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंचे – इस शानदार जीत के साथ लोकेश सत्यनाथन अब भारत के ऑल टाइम लॉन्ग जंपर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब केवल जेस्विन एल्ड्रिन और मुरली श्रीशंकर जैसे स्थापित नाम ही हैं।

नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड (एजेंसी)। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)। जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।

आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने लखनऊ सुपर जाइंट्स

पंत की चोट से जूझ रही है लखनऊ सुपर जाइंट्स

मुल्लांपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स रविवार को मुल्लांपुर में खेले जाने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी। पंजाब इस सीजन में शानदार फॉर्म में है, जबकि लखनऊ संघर्ष करता नजर आ रहा है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने एलएसजी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, जिससे यह मुकाबला और भी अहम बन गया है।

पंजाब किंग्स का दमदार प्रदर्शन – पंजाब किंग्स इस सीजन में अब तक अजेय रही है और टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हुआ था। कप्तान श्रेयर्स अय्यर की अगुवाई में टीम का नेट रन रेट +1.067 है, जो उनकी मजबूत बल्लेबाजी और शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।

लक्ष्य का पीछा करने में माहिर पंजाब – पंजाब किंग्स ने 2025 से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 में से 9 मुकाबले जीते हैं, जो टीम की बेहतरीन रणनीति और आत्मविश्वास को दिखाता है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ हालिया जीत में भी यह बात साफ नजर आई, जहां टीम ने दबाव में शानदार खेल दिखाया।

लखनऊ के लिए बढ़ी मुश्किलें – लखनऊ सुपर किंग्स फिलहाल अंक तालिका में सातवें स्थान पर है और लगातार दो हार के बाद दबाव में है। टीम का प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है।

पंत की चोट बनी चिंता – पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे, हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे लेकिन उनकी कोहनी पर पट्टी बंधी थी। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ है, जो टीम के लिए बड़ी चिंता है।

लखनऊ की बल्लेबाजी कमजोर कड़ी – आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में एसएलजी केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहां मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उसकी बल्लेबाजी की कमजोरी को दिखाता है।

पंजाब की बल्लेबाजी शानदार

इसके विपरीत पंजाब किंग्स ने इस सीजन में दो बार 200 से ज्यादा रन बनाए हैं और मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में टीम 16.3 ओवर में 198/3 तक पहुंच गई थी। प्रभसिमरन सिंह (211 रन) और श्रेयस अय्यर (203 रन) शानदार फॉर्म में हैं और दोनों का स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है। प्रिंस यादव 9 विकेट के साथ टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं, जबकि आवेश खान (5 विकेट) और मोहम्मद शमी (4 विकेट) उनका साथ दे रहे हैं। हालांकि पिछले मैच में शमी विराट कोहली और रजत पाटीदार के सामने संघर्ष करते दिखे, वहीं दिग्वेश राठी भी महंगे साबित हुए।

बल्लेबाजों से उम्मीदें

मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और आयुष बदोनी ने अब तक रन बनाए हैं, लेकिन टीम को वापसी के लिए ज्यादा आक्रामक खेल दिखाना होगा। खास तौर पर मार्श, मार्करम और निकोलस पूरन से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

पैरालिंपिक चैंपियन सुमित अंतिल का कोच पर उत्पीड़न का आरोप

● स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया में शिकायत दी ● ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा भी समर्थन में आए

नईदिल्ली (एजेंसी)। दो बार के पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल ने द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और गाली-गलौज के आरोप लगाए हैं। सुमित ने साई (स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) में शिकायत दी है। इस शिकायत का ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने भी समर्थन किया है।

परिवार को दी गालियां, ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजकर किया परेशान – टोक्यो और पेरिस पैरालिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल का आरोप है कि कोच नवल सिंह ने न केवल उन्हें, बल्कि नीरज चोपड़ा को भी निशाना बनाया। सुमित के मुताबिक, कोच ने पेशेवर मर्यादाएं लांघते हुए उनके परिवारों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। सुमित ने

बताया कि कोच जानबूझकर अपनी गाली-गलौज वाली ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके मैनेजरों को भेजते थे, ताकि वे उन तक पहुंच सकें और उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा सके।

नीरज चोपड़ा समेत कई एथलीट्स ने सुमित का साथ दिया – सुमित की इस शिकायत को जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, पैरा एथलीट नवदीप सिंह और संदीप चौधरी ने भी अपना समर्थन दिया है। सुमित का कहना है कि वे लंबे समय तक इस व्यवहार को नजरअंदाज करते रहे, लेकिन जब पानी सिर से ऊपर चला गया, तब उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

कोच पर सचिन यादव को आगे बढ़ाने के लिए साजिश का आरोप – सुमित ने कोच की मंशा पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नवल सिंह शायद इसलिए ऐसा कर रहे हैं क्योंकि वे अपने शिष्य सचिन यादव को नीरज चोपड़ा से आगे देखना चाहते हैं। पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में सचिन यादव चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि चोट से जूझ रहे नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर आए थे। सुमित ने शक जताया है कि कोच के इस व्यवहार के पीछे कम्पेटिटिव इंटरेस्ट जुड़े हो सकते हैं।

साई और टॉप की कार्यप्रणाली पर खड़े किए सवाल

सुमित अंतिल ने अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शिकायत दर्ज कराए एक हफ्ता बीत चुका है, लेकिन अभी तक उन्हें कोई रसीद नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के सीईओ पहली सुनवाई में ही समझौता कराना चाहते थे। सुमित ने सवाल उठाया कि अगर उनके जैसे कद के एथलीटों की बात नहीं सुनी जा रही, तो अन्य खिलाड़ी क्या उम्मीद कर सकते हैं।

● साई ने दी सफाई- नवल सिंह हमारे कर्मचारी नहीं – साई ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। हालांकि, संस्थान ने साफ किया है कि नवल सिंह उनके कर्मचारी नहीं हैं। वे वर्तमान में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के हिस्से के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

गिल की फिफ्टी से गुजरात लगातार तीसरा मैच जीता

कोलकाता आईपीएल सीजन में 5वां मैच हारी, रबाडा ने 3 विकेट झटके

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हराया। अहमदाबाद में 181 रन का टारगेट गुजरात ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही कोलकाता 20 ओवर में 180 रन पर ऑलआउट हो गई। जीटी की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि, केकेआर सबसे निचले पायदान पर है। टीम को पहली जीत की तलाश है।

व्यापार

केंद्रीय कर्मचारियों ने आठवें वेतन आयोग के आगे रखी डिमांड

मुंबई, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने आठवें वेतन आयोग के सामने अपनी सैलरी, पेंशन और काम करने की शर्तों में बड़े बदलाव की मांग रखी है। उन्होंने सुझाव दिया है कि न्यूनतम बेसिक सैलरी को बढ़ाकर 69,000 रुपये किया जाए। फिटमेंट फैक्टर 3.83 रखा जाए और जैसे ही महंगाई भत्ता 25 प्रतिशत तक पहुंचे, उसे बेसिक पे में शामिल करने की पुरानी व्यवस्था फिर से शुरू की जाए। इससे पहले सातवें वेतन आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया था, जिससे न्यूनतम बेसिक सैलरी 7,000 रुपये से बढ़कर 17,990 रुपये हो गई थी। श्वक्ष के मुताबिक, नैशनल काउंसिल-जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी के कर्मचारियों की ओर से 14 अप्रैल को आठवें वेतन आयोग को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें सिर्फ सैलरी बढ़ाने की बात नहीं है, बल्कि पदों के ढांचे को सुधारने, सालाना इंक्रीमेंट बढ़ाने और सभी पेंशनभोगियों को एक जैसा लाभ देने की भी मांग की गई है। इसमें इंक्रीमेंट की दर को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया है। सैलरी के अलावा, कर्मचारी संगठनों ने पे-मैट्रिक्स को भी आसान बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ऊंचे और नीचे पदों के बीच के कई स्तरों को आपस में मिला देना चाहिए। इसका मकसद प्रमोशन में होने वाली देरी को कम करना और करियर की राह में आने वाली रुकावटों को खत्म करना है। सरकार से ऐसी नीतियां बनाने को कहा गया है जो कर्मचारियों के परिवार के लिए मददगार हों। इसमें बच्चों की देखभाल में पिता की भूमिका को समझते हुए पैटर्निटी लीव को बेहतर बनाने की मांग की गई है। माता-पिता सहित परिवार में पांच सदस्यों को शामिल करने की वकालत की गई है। सरोगेसी या गोद लेकर माता-पिता बनने वालों को भी छुट्टी देने का प्रस्ताव है।

मुंबई का मोतीलाल नगर बनेगा '15-मिनट सिटी', फ्री मिलेंगे 1600 वर्ग फुट के मकान

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के गोरेगांव (पश्चिम) स्थित मोतीलाल नगर पुनर्विकास परियोजना का मास्टर प्लान आज शुक्रवार को महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और सीईओ संजय जायसवाल ने प्रस्तुत किया। मुंबई बोर्ड द्वारा लागू की जा रही 143 एकड़ में फैली यह परियोजना भारत की अब तक की सबसे बड़ी शहरी पुनर्विकास पहल मानी जा रही है। इस विशाल परियोजना को अडानी ग्रुप द्वारा कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट एजेंसी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। सरकार ने म्हाडा को इस प्रोजेक्ट के लिए विशेष नियोजन प्राधिकरण का दर्जा दिया है। म्हाडा ने लक्ष्य रखा है कि ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिलने के अगले 7 वर्षों के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जाएगा। इस पुनर्विकास की सबसे बड़ी विशेषता पुनर्वास घरों का आकार है, जो मुंबई के इतिहास में अभूतपूर्व है। लगभग 1600 झुग्गीवासियों को नियमों के तहत 300 वर्ग फुट के घर मिलेंगे। मास्टर प्लान के अनुसार, मोतीलाल नगर को एक आधुनिक टाउनशिप के रूप में विकसित किया जाएगा जहां '15-मिनट सिटी' का कॉन्सेप्ट लागू होगा। इसका मतलब है कि स्कूल, अस्पताल, बाजार, पार्क, जिम और सांस्कृतिक केंद्र जैसी तमाम सुविधाएं निवासियों के घर से महज 15 मिनट की दूरी पर होंगी। यह म्हाडा की यात्रा का सबसे ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री व आवास मंत्री एकनाथ शिंदे के विजन के कारण ही इस प्रोजेक्ट को नई गति मिली है।

पेट्रोल 78.05, डीजल 82.64 रुपये में, 10 प्रतिशत तक गिरा तेल का रेट, आधी रात को कम हुआ दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन इसके बाद भी घरेलू बाजार में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पुरानी कीमतों को ही बरकरार रखा है। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का रेट 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 87.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। बता दें, बीते दिनों शेल इंडिया और नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 78.05 रुपये और डीजल 82.64 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जोकि अन्य शहरों की तुलना में काफी कम है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ग्लोबल शिपिंग कार्गो के लिए खोलने का संकेत दिया है। इसी वजह से कल क्रूड ऑयल का रेट इटरनेशनल मार्केट में 10 प्रतिशत की गिरावट के बाद 90 डॉलर के नीचे आ गया। शेल इंडिया ने 7.41 रुपये पेट्रोल और 25.01 रुपये डीजल का बढ़ाया रेट प्राइवेट तेल बेचने वाली कंपनी शेल इंडिया ने 1 अप्रैल को पेट्रोल के रेट में 7.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल के रेट में 25.01 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इससे पहले नायरा ने मार्च के महीने में पेट्रोल और डीजल के रेट को बढ़ाया था। तब नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये तक का इजाफा किया था। 1 अप्रैल को इंडियन ऑयल ने पेट्रोल के रेट में 11 रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया था।

सुबह ट्रैक्टर, शाम को आटा चक्की... इस महिला ने 40 साल की उम्र में दिखाया दम, रोजाना हजारों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की एक महिला ने खेती-किसानी से जुड़ी पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर सफलता की एक नई इबारत लिखी है। अक्सर खेतों में बुवाई से लेकर कटाई तक का कठिन काम करने के बावजूद महिलाओं को किसान के रूप में पहचान नहीं मिलती, लेकिन कल्पना मिश्रा ने इस सोच को बदल दिया है। कौशांबी जिले के छिमिरछा गांव की रहने वाली 40 वर्षीय कल्पना हर सुबह अपने ट्रैक्टर का स्टीयरिंग संभालती हैं और थ्रेशर के साथ खेतों में फसलों की कटाई के लिए निकल पड़ती हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक शाम को वह गांव वालों के लिए आटा चक्की चलाती हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त इनकम होती है।

कितनी होती है कमाई?

कल्पना दिन भर खेतों में ट्रैक्टर चलाकर 3000 से 4000 रुपये तक कमा लेती हैं। काम खत्म कर जब वह शाम को घर लौटती हैं, तो वह गांव वालों के लिए आटा चक्की चलाती हैं। खास बात यह है कि उन्होंने सरकारी मदद से उसी ट्रैक्टर इंजन का उपयोग कर आटा चक्की भी सेटअप किया है, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होती है। कल्पना के परिवार में पांच सदस्य हैं। उनके पति अस्थायी

रूप से डेटा एंट्री का काम करते हैं। परिवार की सीमित आय के बावजूद वह अपने तीनों बच्चों की पढ़ाई का खर्च खुद उठाती हैं। कल्पना ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 5 लाख रुपये का लोन लिया। इस रकम से उन्होंने एक ट्रैक्टर खरीदा और आटा चक्की लगाई। आज यह ट्रैक्टर और कारोबार गांव में उनकी पहचान बन चुका है। कल्पना बताती हैं कि उनके दूर-दराज के गांव में महिलाओं के पास घर के काम के अलावा कमाई का कोई साधन नहीं था। इस स्थिति को बदलने के लिए उन्होंने 'जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह' का गठन किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला मिशन प्रबंधक दिव्यांश सिंह के अनुसार, कल्पना ने आटा चक्की चलाने का प्रशिक्षण लिया और उद्योग विभाग के माध्यम से लोन प्राप्त किया। इस योजना के तहत सूक्ष्म उद्योगों के लिए 10 से 25 लाख रुपये तक का लोन 25 प्रतिशत सब्सिडी के साथ मिलता है। कल्पना के इस साहसिक कदम ने गांव की अन्य महिलाओं को भी जागरूक किया है। अब गांव की कई अन्य महिलाएं भी सूक्ष्म उद्योगों में रुचि दिखा रही हैं और प्रशिक्षण ले रही हैं। कल्पना की यह कहानी ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

8 ग्राम सोना देने की घोषणा करने वाले थलापति विजय की नेटवर्थ 620 करोड़

मुंबई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) भी मैदान में है। उन्होंने चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें उन्होंने जनता से कई वादे किए हैं। इनमें महिलाओं को 8 ग्राम सोना देने का भी वादा शामिल है। फिल्मी दुनिया से राजनीति में आए थलापति विजय का असली नाम जोसफ विजय चंद्रशेखर है। विजय तमिलनाडु की पेरम्बूर और तिरुचि ईस्ट सीटों से चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने पेरम्बूर सीट के लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक वह करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं।

चुनावी हलफनामे के अनुसार थलापति की नेटवर्थ 620 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें चल संपत्ति, सोना और अन्य संपत्तियां

शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 184.53 करोड़ रुपये की इनकम बताई है, जिसमें परिवार के सदस्यों को दिए गए लोन और ट्रस्टों में निवेश शामिल हैं।

विजय थलापति रियल एस्टेट के भी हैं। इससे वह बड़ी कमाई करते हैं। साल 2024 में उनकी नाम से मूवी भी आ चुकी है, जिसने जबरदस्त कमाई की थी। इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया था। थलापति विजय का रियल एस्टेट पोर्टफोलियो इस प्रकार है चेन्नई में टी नगर, नीलंकराई और आसपास के इलाकों सहित 10 रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी शामिल हैं। साथ ही इसमें करीब 82.8 करोड़ रुपये मूल्य की कई कमर्शियल प्रॉपर्टी भी हैं।

कोडाईकनाल में जमीन और संपत्ति के मालिक हैं। इसमें खेती की जमीन भी शामिल है।

चुनावी हलफनामे के मुताबिक करीब 404.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। इसमें बैंक बैलेंस, लग्जरी कारें और आभूषण शामिल हैं।

करीब 220.15 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है, जिसमें कई प्रॉपर्टी भी शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में उनकी इनकम 184.53 करोड़ रुपये रही। यह इनकम बिजनेस, ब्याज और किराये से प्राप्त हुई।

उनके पास 530, टोयोटा लेक्सस, टोयोटा वेलफायर और जैसी महंगी गाड़ियां हैं।

विजय के पास 883 ग्राम सोना और चांदी के आभूषण हैं, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये है। परिवार के सदस्यों को लोन दिया है। पिता को 3.02 करोड़ रुपये और पत्नी को 12.6 करोड़ रुपये का लोन भी शामिल है। चुनावी हलफनामे के अनुसार विजय पर कोई कर्ज नहीं है। फिल्मों के अलावा ब्याज और संपत्तियों से मिलने वाला किराया उनकी कमाई का मुख्य जरिया है। साथ ही वह ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)